Youth Competition Times

National Education Society for Tribal Students
Staff Selection Exam

EMRS TGT
सामाजिक विज्ञान

(TIER-II)
(Objective and Descriptive Questions)

प्रैक्टिस बुक

प्रधान सम्पादक
Anand K. Mahajan
लेखन सहयोग
परीक्षा विशेषज्ञ समिति
कम्प्यूटर ग्राफिक्स
बालकृष्ण, चरन सिंह
संपादकीय कार्यालय
12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002
9415650134
Email : yctap12@gmail.com
website : www.yctbooks.com/www.yctfastbook.com/www.yctbooksprime.com
© All Rights Reserved with Publisher
प्रकाशन घोषणा
सम्पादक एवं प्रकाशक आनन्द कुमार महाजन ने आर.ए. सिक्योरिटी प्रिंटर्स, प्रयागराज से मुद्रित करवाकर, वाई.सी.टी. पब्लिकेशन प्रा.लि., 12, चर्च लेन, प्रयागराज-211002 के लिए प्रकाशित किया।
इस पुस्तक को प्रकाशित करने में सम्पादक एवं प्रकाशक द्वारा पूर्ण सावधानी बरती गई है फिर भी किसी त्रुटि के लिए आपका सुझाव और सहयोग सादर अपेक्षित है।
₹ 395/-
किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र प्रयागराज होगा।

विषय-सूची

- प्रैक्टिस सेट-01 3-15
- प्रैक्टिस सेट-02 16-27
- प्रैक्टिस सेट-03 28-39
- प्रैक्टिस सेट-04 40-52
- प्रैक्टिस सेट-05 53-65
- प्रैक्टिस सेट-06 66-78
- प्रैक्टिस सेट-07 79-92
- प्रैक्टिस सेट-08 93-104
- प्रैक्टिस सेट-09 105-117
- प्रैक्टिस सेट-10 118-130
- प्रैक्टिस सेट-11 131-142
- प्रैक्टिस सेट-12 143-154
- प्रैक्टिस सेट-13 155-167
- प्रैक्टिस सेट-14 168-180
- प्रैक्टिस सेट-15 181-192

PRACTICE SET-01

PART-A (OBJECTIVE QUESTIONS)

1. Match List-I with List-II and find the correct answer from the code given below./सूची-I को सूची-II से सुमेलित करें तथा नीचे दिये गये कूट से सही उत्तर का चयन करें।

	List-I /सूची-I		List-II/सूची-II
	(Author)/(लेखक)		(Books)/(पुस्तक)
(A)	Dadabhai Naoroji/दादाभाई नौरोजी	(i)	Discovery of India/डिस्कवरी ऑफ इण्डिया
(B)	J.L. Nehru/जवाहर लाल नेहरू	(ii)	India wins Freedom/ इण्डिया विन्स फ्रीडम
(C)	Maulana Azad/ मौलाना आजाद	(iii)	Poverty and the Unbritish rule in India/ पावर्टी एण्ड द अनब्रिटिश रूल इन इण्डिया
(D)	R.C. Dutt/रमेश चन्द्र दत्त	(iv)	Economic History of India/ इकॉनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इण्डिया

Code/कूट :

	A	B	C	D
(a)	(i)	(ii)	(iii)	(iv)
(b)	(iv)	(i)	(ii)	(iii)
(c)	(ii)	(iii)	(i)	(iv)
(d)	(iii)	(i)	(ii)	(iv)

2. Identify the reasons why moderate politics remained narrow in nature.
नरमपंथी राजनीति अपनी प्रकृति में संकुचित क्यों रही, इसके कारणों की पहचान करें।

(A) Social backgrounds of the leaders
नेताओं की सामजिक पृष्ठभूमि।

(B) Most of the leaders belonged to the powerful classes.
ज्यादातर नेता संपत्तिशाली वर्ग से आते थे।

(C) Prominence of new professional classes.
नए पेशेवर वर्गों की प्रमुखता।

(D) Increasing influence of leaders belonging to the Muslim League.
मुस्लिम लीग से संबंधित नेताओं का बढ़ता प्रभाव।

(a) (B), (C), (D)   (b) (A), (B), (D)
(c) (A), (C), (D)   (d) (A), (B), (C)

3. Lord Canning was the Governor General of India from?/लॉर्ड कैनिंग कब से कब तक भारत के गर्वनर जनरल थे?

(a) 1857 to 1863/1857 से 1863
(b) 1858 to 1862/1858 से 1862
(c) 1856 to 1862/1856 से 1862
(d) 1855 to 1861/1855 से 1861

4. On the morning of August 6, 1945. America released Atom bomb on Japan named?
6 अगस्त 1945 की सुबह, अमेरिका ने जापान के ऊपर जो बम गिराया था, उसका नाम है-

(a) Little Secret/लिटिल सीक्रेट
(b) Little boy/लिटिल ब्वॉय
(c) Little dwarf/लिटिल ड्वार्फ
(d) Little girl/लिटिल गर्ल

5. Early 1920s was a crucial decade for the rise of industrial organization in colonial India. Which of the following statement is/are FALSE?
1920 के दशक की शुरूआती समय (वर्ष) औपनिवेशिक भारत में औद्योगिक संगठनों के उत्थान हेतु एक महत्वपूर्ण दशक था। इस संबंध में कौन-सा कथन असत्य है/हैं?

(a) Various capitalists like G.D. Birla and Purshottamdas Thakurdas to establish national level organization of Indian commercial, industrial and financial interest to be able to effectively lobby with the colonial government/जी.डी. बिड़ला तथा पुरुषोत्तमदास ठाकुरदास जैसे कई पूँजीपतियों ने औपनिवेशिक ब्रिटिश सरकार के साथ प्रभावी रूप से वार्ता करने हेतु सक्षम बनाने के उद्देश्य से राष्ट्रीय स्तर पर वाणिज्यिक, औद्योगिक हितों की सुरक्षा करने की दिशा में राष्ट्रीय स्तर के संगठनों की स्थापना की
(b) None of the given options
कोई भी विकल्प सही नहीं
(c) This effort culminated in the formation of the Federation of Indian Chambers of Commerce and Industry (FICCI) in 1927, with a large and rapidly increasing representation from all parts of India/इन प्रयासों की परणीति 1927 में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग चैंबर्स परिसंघ के गठन के रूप में हुई जिसमें भारत के विभिन्न भागों से बड़ी संख्या में प्रतिनिधित्व शामिल था।
(d) The FICCI was soon recognized by the British government as well as the Indian public in general, as representing the dominant opinion as well as the over all consensus within the Indian capitalist class
भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग चैंबर्स परिसंघ (FICCI) को शीघ्र ब्रिटिश सरकार एवं भारतीय जन समुदाय ने सामान्य तौर पर मान्यता प्रदान की जो कि उस समय की प्रमुख राय के साथ-साथ भारतीय पूँजीपति वर्ग के भीतर की समग्र सहमति का प्रतिनिधित्व करता था।

6. Which one of the following measures was NOT adopted to improve the Italian economy by Mussolini?

मुसोलनी ने इटली की अर्थव्यवस्था सुधारने हेतु इनमें से कौन से उपाय नहीं अपनाया?

(a) He set up councils or corporations for each industry with representatives of workers, employers and nominees of the Fascist party to improve production/उसने उत्पादन में सुधार करने हेतु प्रत्येक उद्योग हेतु परिषदों या निगमों की स्थापना की जिसमें फॉसिस्ट पार्टी के कामगार मजदूर, नियोक्ता एवं मनोनीत वर्ग के प्रतिनिधि सम्मिलित थे
(b) He fixed 14 hours a day as working time in factories/उसने कारखानों में 14 घण्टे प्रतिदिन का कार्य समय निर्धारित किया
(c) The government imposed heavy taxes on the rich/सरकार ने संपन्न (अभिजात) वर्ग पर भारी कर लागू किया
(d) He compelled the factory owners to contribute towards the life insurance for their employees/उसने कारखाना मालिकों को अपने कर्मचारियों के जीवन बीमा करने में योगदान देने हेतु विवश किया

7. 'Modern nationalism' in Eurpoe led to.
(A) Development of new sense of belonging
(B) Development of new symbols and icons
(C) Solidification of previous boundaries communties
(D) Strengthening of old links
(a) (A) and (B) only (b) (B) and (D) only
(c) (C) and (D) only (d) (B) and (C) only
यूरोप के 'आधुनिक राष्ट्रवाद' ने–
(A) नए प्रकार के लगावों को बढ़ावा दिया।
(B) नए प्रतीकों और चिन्हों को बढ़ावा दिया।
(C) समुदायों की पूर्वरचित सीमाओं को और मजबूत किया।
(D) पुराने संपर्कों को और मजबूत किया।
(a) (A) और (B) (b) (B) और (D)
(c) (C) और (D) (d) (B) और (C)

8. Identify the name of the collective farms where in peasants were forced to cultivate under stalin's collectivisaing/उस सामूहिक खेतों के नाम की पहचान करें जिसमें किसानों को 1929 में स्टालिन के सामूहीकरण कार्यक्रम के तहत खेती करने के लिए मजबूर किया गया था।
(a) Kulak/कूलार
(b) Cheka First/चेका फर्स्ट
(c) Budeconovka/बुदेवनोवका
(d) Kolkhoz/कोलखोज

9. फ्रांस के इतिहास में प्रथम बार एक सोशलिस्ट नेता, लियो ब्लूम को प्रधानमंत्री बनने का सौभाग्य प्राप्त हुआ, किन्तु शीघ्र ही उन्हें त्यागपत्र देना पड़ा, क्यों?
(a) देश की बिगड़ती हुई आर्थिक स्थिति के कारण
(b) रैडिकल सोशलिस्ट नेता, शोतेप्प के षड्यंत्रों के कारण
(c) फ्रांस में हुए गृह युद्ध के कारण
(d) उपर्युक्त में से एक से अधिक

10. Below are two statements read them carefully and choose the correct answer.
नीचे दो कथन दिए गए हैं, इन्हें ध्यानपूर्वक पढ़ें और सही उत्तर का चयन करें।
Statement (I): The Bastille was hated by all, because it stood for the despotic power of the King,
कथन (I): सम्राट की निरंकुश शक्तियों का प्रतीक होने के कारण बास्तील किला लोगों की घृणा का केन्द्र था।
Statement (II): During the French revolution, the Bastille fortress was preserved so that the history of social inequality would remain in the memory of the people.
कथन (II): फ्रांसीसी क्रांति के दौरान बास्तील के किले को सुरक्षित रखा गया ताकि सामाजिक असमानता का इतिहास लोगों की स्मृति में बने रहे।
(a) Both Statement (I) and statement (II) are false /कथन (I) और कथन (II) दोनों गलत हैं।
(b) Statement (I) is true but statement (II) is false/कथन (I) सही है परंतु कथन (II) गलत है।
(c) Statement (I) is false but statement (II) is true/कथन (I) गलत है परंतु कथन (II) सही है।
(d) Both statement (I) and statement (II) are true/कथन (I) और कथन (II) दोनों सही हैं।

11. When did the National forest policy come into existence?
राष्ट्रीय वन नीति कब अस्तित्व में आई?
(a) 1952 (b) 1956
(c) 1955 (d) 1951

12. Which one of the following river basins is located to the southermost?
निम्नलिखित नदी बेसिनों में से कौन-सा दक्षिणतम भाग में अवस्थित है?
(a) Krishna/कृष्णा (b) Godavari/गोदावरी
(c) Kaveri/कावेरी (d) Tapi/तापी

13. The Greater Himalaya and the Lesser Himalaya are separated by the ....
वृहत् हिमालय और लघु हिमालय को किसके द्वारा अलग किया जाता है।
(a) Indus Suture/सिन्धु जोड़
(b) Main Central Thrust/मेन सेन्ट्रल थ्रस्ट
(c) Himalayan Front Fault/हिमालयन फ्रन्ट फॉल्ट
(d) Main Boundary Thrust/मेन बाउन्ड्री थ्रस्ट

14. The southern boundary of India extends upto ______ in the Bay of Bengal.
भारत की दक्षिणी सीमा बंगाल की खाड़ी में ______ अक्षांश तक निर्धारित है।
(a) 6^0 45' N/6^0 45' उत्तर (b) 5^0 45' N /5^0 45' उत्तर
(c) 8^0 4' N /8^0 4' उत्तर (d) 7^0 4' N /7^0 4' उत्तर

15. The fog that is formed along the sea coast is due to:
समुद्र तट पर कोहरा किस के कारण उत्पन्न होता है?
(a) Convection/संवहन (b) Advection/अभिवहन
(c) Conduction/चालन (d) Condensation/संघनन

16. Which layer of atmosphere is characterised by the occurrence of Auroras?
वायुमंडल की किस परत की पहचान ध्रुवीय प्रकाश (औरोरस) है?
(a) Mesosphere/मध्यमंडल
(b) Troposphere/क्षोभमंडल
(c) Stratosphere/समतापमंडल
(d) Ionosphere/आयनमंडल

17. The region extending between continental shelf and deep sea plane is known as______.
महाद्वीपीय जल सीमा तथा गर्त (गंभीर) समुद्र मैदान के बीच फैले क्षेत्र को______ के रूप में जाना जाता है।
(a) Mid-Oceanic Ridge/मध्य-महासागर कटक
(b) Continental Slope/महाद्वीपीय ढाल
(c) Guyots/निमग्न द्वीप (गाईओट)
(d) Deeps/गंभीर

18. Which of the following sedimentary rocks is formed organically?
निम्नलिखित में से कौन सी अवसादी चट्टानें कार्बनिक रूप से बनती हैं?
(a) Limestone/चूना पत्थर (b) Shale/शेल
(c) Gypsum/जिप्सम (d) Salt rock/सॉल्ट रॉक

19. Which of the following is correctly matched?
निम्नलिखित में से कौन-सा ढंग से मेल खता है?
I. Barysphere- 2780 Kilometres/गुरूमंडल - 2780 किलोमीटर
II. Lithosphere- 100 Kilometres/स्थलमंडल - 100 किलोमीटर
III. Pyrosphere- 200 Kilometres/पाइरोस्फीयर - 200 किलोमीटर
(a) I and II/ I तथा II
(b) Only II/केवल II
(c) II and III/ II तथा III
(d) I, II and III/ I, II तथा III

20. Orion is a well- known constellation that can be seen during the winter in the late evenings. What is another term for the constellations?
ओरियन एक प्रसिद्ध नक्षत्र है जिसे सर्दियों के दौरान देर शाम को देखा जा सकता है। इस नक्षत्र के लिए एक और शब्द क्या है?
(a) Cassiopeia/कैसिओपिया (b) Aquila/अक्विला
(c) Hunter/हंटर (d) Cirius/साइरस

21. The supreme law of the country, which contains the fundamental laws governing the politics and society of a country, is called:
देश का सर्वोच्च कानून, जिसमें किसी देश की राजनीति और समाज को चलाने वाले मौलिक कानून होते हैं, को कहते हैंः
(a) Constitution /संविधान
(b) Preamble/प्रस्तावना
(c) Fundamental Rights/मौलिक अधिकार
(d) Ordinance/अध्यादेश

22. सही विकल्प चुनकर रिक्त स्थान की पूर्ति करें।
सत्ता में हिस्सेदारी हेतु श्रीलंका में गृहयुद्ध, ______ और______के बीच हुआ था।
(a) सिंहलियों; श्रीलंकाई मुस्लिमों
(b) सिंहलियों; श्रीलंकाई तमिलों
(c) सिंहलियों; चीनी
(d) सिंहलियों; भारतीय तमिलों

23. Who presided over the first meeting of the Constituent Assembly?
संविधान सभा की प्रथम बैठक की अध्यक्षता किसने की?
(a) Jawaharlal Nehru/जवाहरलाल नेहरू
(b) Dr. Rajendra Prasad/डॉ. राजेन्द्र प्रसाद
(c) Sachchidananda Sinha/सच्चिदानन्द सिन्हा
(d) None of the above/उपर्युक्त में से कोई नहीं

24. Which one of the following bodies was constituted to prepare the Constitution of India?
भारत के संविधान को तैयार करने के लिए निम्नलिखित संस्थाओं में से किसका गठन किया गया था?
(a) Drafting Committee/ड्राफ्टिंग समिति
(b) Constituent Assembly/संविधान सभा
(c) Constitutional Committee/संवैधानिक समिति
(d) Constituent Committee/संविधान समिति

25. ______ of the Indian constitution talks about the joint sitting of both houses in certain cases./भारतीय संविधान का ______ कुछ दशाओं में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक के बारे में बात करता है।
(a) Article 101/अनुच्छेद 101
(b) Article 108/अनुच्छेद 108
(c) Article 150/अनुच्छेद 150
(d) Article 120/अनुच्छेद 120

26. In a federal setup, there must be
संघीय व्यवस्था में आवश्यक है
(a) Written Constitution/लिखित संविधान
(b) Rigid Constitution/कठोर संविधान
(c) Supremacy of the Constitution/संविधान की सर्वोच्चता
(d) More than one of the above/उपर्युक्त में से एक से अधिक

27. Which of the following statements is NOT correct regarding the federal system?
संघीय व्यवस्था के संबंध में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही नहीं है?
(a) The main authority of power is the central government.
शक्ति का मुख्य अधिकार केंद्र सरकार के पास है।
(b) The nature of power is permanent.
शक्ति का स्वरूप स्थायी होता है।

(c) The constituent units have their own well-defined power./संघटक इकाइयों की अपनी सुपरिभाषित शक्ति होती है।
(d) The power is inherent in the constituent units./शक्ति घटक इकाइयों में निहित है।

28. Which country has the 'first-past-the-post' system?
किस देश में 'फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट' प्रणाली है?
(a) Canada/कनाडा
(b) India/भारत
(c) United Kingdom/यूनाइटेड किंगडम
(d) More than one of the above/उपर्युक्त में से एक से अधिक

29. Functional Representation means/कार्यात्मक प्रतिनिधित्व का मतलब है
(a) Representation of government ... functionaries/शासन अधिकारियों का प्रतिनिधित्व
(b) Representation of vocational basis/पेशे के आधार पर प्रतिनिधित्व
(c) The functions of the representat... are well defined/प्रतिनिधियों का कार्य अच्छी तरह से परिभाषित किया जाता है
(d) The representatives are free ... function as they like/प्रतिनिधी अपनी मर्जी के अनुसार कार्य कर सकते हैं

30. Choose the correct option from the following:
निम्नलिखित विकल्पों में से सही का चयन करें:
(A) Manipur, Tripura and Meghalaya became states in 1972 while Mizorma and Arunachal Pradesh were given statehood in 1987.
मणिपुर, त्रिपुरा और मेघालय 1972 में राज्य बने जबकि मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश को 1987 में राज्य का दर्जा दिया गया।
(B) The movement of 'ASSU' was against illegal immigration, dominance of Bengali and other people and enrolment of lakhs of immigrants in voter list.
'आसु' का आन्दोलन अवैध, प्रवासी, बंगाली और अन्य लोगों के दबदबे तथा मतदाता सूची में लाखों अप्रवासियों के नाम दर्ज कर लेने के खिलाफ था।
(C) 'North decreases everyday, south increases day by day' was a popular slogan of the December 1986.
'उत्तर हर दिन घटता जाय, दक्षिण दिन-दिन बढ़ता जाय' द्रविड़ आन्दोलन का एक लोकप्रिय नारा था।
(D) 'Operation Blue star' was launched by the Government of India in December 1986.
1986 के दिसंबर माह में भारत सरकार ने 'ऑपरेशन ब्लू स्टार' चलाया था।
(a) (B) and (C)/ (B) और (C)
(b) (B) and (D)/ (B) और (D)
(c) (A) and (D)/ (A) और (D)
(d) (A) and (B)/ (A) और (B)

31. Give below are two statements, one is labelled as Assertion (A) and the other is labelled as Reason (R).
नीची दो कथन दिए गए हैं। एक को अभिकथन (A) एवं दूसरे को कारण (R) कहा गया है।
Assertion (A) : When we produce goods by exploiting natural resources, it is an activity of the primary sector.
अभिकथन (A) : जब हम प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करके किसी वस्तु का उत्पादन करते हैं तो यह प्राथमिक क्षेत्र की एक गतिविधि होती है।
Reason (R) : This is because it forms the base for all other products that we subsequently make.
कारण (R) : ऐसा इसलिए है क्योंकि यह हमारे द्वारा बाद में बनाए जाने वाले अन्य सभी उत्पादों के लिए आधार बनाता है।
In the light of the above statement, choose the correct answer from the option given below:/उपरोक्त कथनों के संदर्भ में नीचे दिए गए विकल्पों में से सही उत्तर का चयन करें।
(a) (A) and (R) both are true and (R) is the correct explanation of (A)/अभिकथन (A) और कारण (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की सही व्याख्या है।
(b) (A) and (R) both are true but (R) is not correct explanation of (A)/अभिकथन (A) और कथन (R) दोनों सही हैं परंतु (R), (A) की सही व्याख्या नहीं है।
(c) (A) is true but (R) is false/अभिकथन (A) सही है परन्तु कारण (R) गलत है।
(d) (A) is false and (R) is true/अभिकथन (A) गलत है परन्तु कारण (R) सही है।

32. गरीबी का अंतर दर्शाता है
(a) विकसित देशों और विकासशील देशों के बीच बुनियादी सुविधाओं में अंतर
(b) गरीबी रेखा और उस रेखा से नीचे रहने वाले सभी लोगों की वास्तविक आय स्तर के बीच का अंतर
(c) विकसित देशों और विकासशील देशों के बीच अंतर
(d) More than one of the above/उपर्युक्त में से एक से अधिक

33. शहरी क्षेत्र में BPL परिवारों की पहचान करने के लिए निम्न में से कौनसी समिति बनाई गई है?
(a) तेंदुलकर समिति (b) सक्सेना समिति
(c) लकड़ावाला समिति (d) हाशिम समिति

34. What was the production of foodgrains in India as per the Fourth Advance Estimates for 2016-17?/2016-17 के लिए चौथे अग्रिम अनुमानों के अनुसार भारत में खाद्यान्नों का उत्पादन क्या था?
(a) 235.2 million tonnes/235.2 मिलियन टन
(b) 255.5 million tonnes/255.5 मिलियन टन
(c) 275.7 million tonnes/275.7 मिलियन टन
(d) 295.9 million tonnes/295.9 मिलियन टन

35. **Which of the following is a reason for India to be a developing country?**
निम्नलिखित में से कौन-सा भारत के विकासशील देश होने का कारण है?
(a) Most people depend on agriculture /अधिकांश लोग कृषि पर निर्भर हैं
(b) Scarce capital /दुर्लभ पूँजी
(c) Low per capita income /प्रति व्यक्ति निम्न आय
(d) More than one of the above/उपर्युक्त में से एक से अधिक

36. **Income derived from machines and other appliances made by must during short run is known as.**
मशीन से उत्पन्न आय और अल्पावधि के दौरान किसी व्यक्ति द्वारा अन्य उपकरणों से प्राप्त आय को______के रूप में जाना जाता है।
(a) Profits/लाभ (b) Interest/ब्याज
(c) Rent/किराया (d) Quasi-rent/अर्ध किराया

37. **Which of the following is a feature of Indian Economy ?/निम्नलिखित में से कौन–सी भारतीय अर्थव्यवस्था की एक विशेषता है**
(a) Growth led by service sector
विकास मे सेवा क्षेत्र का नेतृत्व
(b) The high degree of urbanization
शहरीकरण की उच्च डिग्री
(c) Growth led by agricultural sector
विकास में कृषि क्षेत्र का नेतृत्व
(d) More than one of the above
उपर्युक्त में से एक से अधिक

38. **सूची -I को सूची-II से सुमेलित करें।**

(A) चार खण्ड मॉडल	(1) रोजेस्टीन रोडान
(B) संकटकालीन आवश्यक न्यूनतम प्रयास सिद्धान्त	(2) आर्थर लेविस
(C) बड़ा धक्का सिद्धान्त	(3) महालनोविस
(D) असीमित मजदूर आपूर्ति सिद्धान्त	(4) लेवेन्स्टीन

	A	B	C	D
(a)	4	3	2	1
(b)	3	4	1	2
(c)	1	2	3	4
(d)	2	1	4	3

39. **Colin Clark has argued that for most countries of the world, the safe upper limit of taxation is**
कोलिन क्लार्क का वाद है कि विश्व के अधिक हर देशों में करो की सुरक्षित ऊपरी सीमा है
(a) 40 percent of national income/राष्ट्रीय आय का 40 प्रतिशत
(b) 30 percent of national income/ राष्ट्रीय आय का 30 प्रतिशत
(c) 25 percent of national income/ राष्ट्रीय आय का 25 प्रतिशत
(d) 20 percent of national income/ राष्ट्रीय आय का 20 प्रतिशत

40. **वैश्वीकरण के संदर्भ में सही उत्तर चुनिए।**
1. यह राष्ट्रों के बीच वस्तुओं और सेवा के व्यापार को बढ़ावा देता है
2. यह प्रौद्योगिकी के संचलन को बढ़ावा देता है
3. इसका अर्थ है किसी अर्थव्यवस्था का विश्व अर्थव्यवस्था के साथ एकीकरण
(a) 1
(b) 1 और 2
(c) 2 और 3
(d) More than one of the above/उपर्युक्त में से एक से अधिक

PART-B (DESCRIPTIVE QUESTIONS)

1. **पूर्व औद्योगीकरण से आप क्या समझते हैं? इसकी प्रमुख विशेषताओं की चर्चा करें।**
2. **क्या फ्रांसीसी क्रांति एक मध्यवर्गीय क्रांति थी?**
3. **महिला आंदोलन और शिक्षा प्रसार ने स्वतंत्रता संग्राम को सशक्त किया टिप्पणी कीजिए।**
4. **मार्क्सवादी विचारधारा पर टिप्पणी लिखिए।**
5. **भारत को कितने भू-आकृतिक खण्डों में बाँटा गया है? उनका वर्णन कीजिए।**
6. **पृथ्वी के घूर्णन एवं परिक्रमण को परिभाषित करें तथा पृथ्वी पर पड़ने वाले इसके प्रभावों का वर्णन करें।**
7. **चक्रवात एवं प्रतिचक्रवात से आप क्या समझते हैं? उष्ण कटिबंधी चक्रवातों के वितरण को बताइए।**
8. **मौसम संबंधी आंकड़ों–रेखा और दण्ड आरेख, क्लाइमोग्राफ, समताप रेखा, समदाब रेखा और समवर्षा रेखा का निरूपण का वर्णन करें–**
9. **सत्ता का साझेदारी से क्या अभिप्राय है?**
10. **लोकतंत्र की संकल्पना को स्पष्ट कीजिए। आधुनिक लोकतंत्र किन मूल्यों पर आधारित है- विस्तारपूर्वक समझाइए।**
11. **शासन के संघीय और एकात्मक स्वरूपों में क्या-क्या मुख्य अंतर है? इसे उदाहरणों के माध्यम से स्पष्ट कीजिए।**
12. **भारत में पंचायती राज संस्थाओं की संरचना, कार्यक्षेत्र एवं चुनौतियों की विवेचना कीजिए?**
13. **अर्थिक और गैर-आर्थिक क्रियाओं में क्या अंतर है?**
14. **निर्धनता उन्मूलन की वर्तमान सरकारी रणनीति की चर्चा करें।**
15. **अलग-अलग लोगों की विकास की धारणाएं अलग क्यों है?**
नीचे दी गई व्यवस्थाओं में कौन सी अधिक महत्वपूर्ण है और क्यों?
(क) क्योंकि लोग भिन्न होते है।
(ख) क्योंकि लोगों के जीवन की परिस्थितियाँ भिन्न हैं।

SOLUTION : PRACTICE SET - 1

ANSWER KEY

1. (d)	5. (b)	9. (d)	13. (b)	17. (b)	21. (a)	25. (b)	29. (b)	33. (d)	37. (d)
2. (d)	6. (b)	10. (b)	14. (a)	18. (a)	22. (b)	26. (d)	30. (d)	34. (c)	38. (b)
3. (c)	7. (a)	11. (a)	15. (b)	19. (b)	23. (c)	27. (a)	31. (a)	35. (d)	39. (c)
4. (b)	8. (d)	12. (c)	16. (d)	20. (c)	24. (b)	28. (d)	32. (b)	36. (b)	40. (d)

SOLUTION

PART-A (OBJECTIVE QUESTIONS)

1. (d)

सही सुमेलन है-

(लेखक)	**(पुस्तक)**
दादाभाई नौरोजी	- पावर्टी एण्ड द अनब्रिटिश रूल इन इण्डिया
जवाहर लाल नेहरू	- डिस्कवरी ऑफ इण्डिया
मौलाना आजाद	- इण्डिया विन्स फ्रीडम
रमेश चन्द्र दत्त	- इकॉनॉमिक हिस्ट्री ऑफ इण्डिया

2.(d)

नरमपंथी राजनीति अपनी प्रकृति में संकुचित रही, इसका प्रमुख कारण निम्न था। दादा भाई नौरोजी, फीरोजशाह मेहता, दीनशा वाचा, व्योमेश चन्द्र बनर्जी और सुरेन्द्रनाथ बनर्जी उदारवादी थे। नरमपंथी में समृद्धिशाली, मध्यवर्गीय बुद्धिजीवियों का जिनमें वकील, डाक्टर, इंजीनियर, पत्रकार और साहित्यिक व्यक्ति सम्मिलित थे। फीरोजशाह मेहता ने स्वयं कहा था ''काँग्रेस की आवाज जनता की आवाज नहीं है। परंतु यह उनके साथ रहने वाले अन्य देशवासियों का कर्त्तव्य है कि वे इनकी भावनाओं को समझें और उन्हें व्यक्त करें तथा उनके उपचार का प्रयत्न करें।'' अतः विकल्प (d) सही है।

3. (c)

लार्ड कैनिंग, लार्ड डलहौजी के बाद 1856 ई. में भारत का गवर्नर जनरल बना जो 1862 ई. तक इस पद पर बना रहा है। इसी के काल में 1857 ई. का विद्रोह हुआ जिसके फलस्वरूप कंपनी की सत्ता को समाप्त कर दिया गया। IPC, CrPC आदि इसी के काल में लागू हुआ। इसी के समय जनरल सर्विस एनलिस्टमेंट एक्ट, 1856 (सामान्य सेवा सूची अधिनियम, 1856 ई.) को लागू किया गया था।

4.(b)

द्वितीय विश्व युद्ध के दौरान 6 अगस्त 1945 ई0 को जापानी शहर हिरोशिमा पर गिराए गए परमाणु बम का नाम 'लिटिल ब्वॉय' था। यह युद्ध में इस्तेमाल होने वाला पहला परमाणु बम था।

5. (b)

प्रथम विश्व युद्ध के दौरान भारतीय व्यापारियों एवं उद्योगपतियों ने अधिक मुनाफा कमाया था और वे ताकतवर हो चुके थे। व्यावसायिक हितों को संगठित करने के लिए उन्होंने 1920 में भारतीय औद्योगिक एवं व्यावसायिक काँग्रेस तथा 1927 में भारतीय वाणिज्य एवं उद्योग चैंबर्स परिसंघ (फेडरेशन ऑफ इंडियन चैम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इंडस्ट्री-फिक्की) का गठन किया। पुरुषोत्तमदास, ठाकुरदास और जी.डी. बिड़ला जैसे जाने-माने उद्योगपतियों के नेतृत्व में अन्य उद्योगपतियों ने भारतीय अर्थव्यवस्था पर औपनिवेशिक नियंत्रण का विरोध किया और पहले सिविल नाफ़रमानी आंदोलन का समर्थन किया। उन्होंने आंदोलन को आर्थिक सहायता दी और आयातित वस्तुओं को खरीदने या बेचने से मना कर दिया। अधिकाँश व्यवसायी स्वराज को एक ऐसे युग के रूप में देखते थे जहाँ व्यवसाय पर औपनिवेशिक पाबंदियाँ नहीं होगी और उनका व्यापार बढ़ सकेगा। इस प्रकार उपर्युक्त तीनों कथन सही नहीं है।

6. (b)

मुसोलिनी ने इटली में गद्दी प्राप्त करने के बाद इटली की अर्थव्यवस्था को सुधारने का प्रयत्न किया। उसने सम्पन्न वर्ग पर भारी कर लगाया, कारखाना मालिक को मजदूरों का जीवन बीमा करने को कहा तथा उत्पादन के सुधार के लिए उसने निगम राज्य की स्थापना की। मजदूरों से 8 घण्टे से अधिक काम न कराने का निर्णय लिया।

7. (a)

यूरोप में आधुनिक राष्ट्रवाद के साथ ही राष्ट्र-राज्यों का भी उदय हुआ था। आधुनिक राष्ट्रवाद के कारण लोगों में राष्ट्र के प्रति लगाव का भाव पैदा होने लगा था। उन्होंने नए प्रतीकों और चिह्नों को बढ़ावा दिया था और नए गीतों एवं विचारों से सम्पर्क स्थापित किया। समुदायों की सीमाओं को फिर से परिभाषित किया था। उसके बाद से अधिकांश देशों ने राष्ट्रीय पहचान के निर्माण के लिए इस प्रक्रिया को अपनाया था।

8. (d)

रूसी क्रांति के बाद नियोजित अर्थव्यवस्था का शुरुआती दौर खेती के सामूहीकरण से पैदा हुई तबाही से जुड़ा हुआ था। स्टालिन के सामूहिकीकरण कार्यक्रम के दौरान 1929 से पार्टी ने सभी किसानों को सामूहिक खेतों (कोलखोज) में काम करने का आदेश जारी किया गया। ज्यादातर जमीन और साजो-सामान सामूहिक खेतों के स्वामित्व को सौंप दिया गया और कोलखोज से होने वाले मुनाफे को सभी किसानों में बाँट दिया जाता था।

9. (d)

समाजवादी नेता लियो ब्लूम फ्रांस के प्रधानमंत्री बनने वाले पहले यहूदी थे। उन्होंने स्पेनिश गृहयुद्ध के समय गैर-हस्तक्षेप की नीति का पालन किया था। उनकी योजनाओं के कारण फ्रांसीसी व्यापारी, रूढ़ीवादी (रैडिकल) नेता आदि नाराज हो गए थे। फ्रांस की बिगड़ती हुई आर्थिक स्थिति के कारण सीनेट में बहुमत प्राप्त रैडिकल सोशलिस्ट नेताओं ने ब्लूम को आपातकालीन डिक्री शक्तियाँ देने से मना कर दिया। इस प्रकार देश की बिगड़ती हुई आर्थिक स्थिति एवं रैडिकल सोशलिस्ट नेता शोतेपथ के षड्यंत्रों के कारण लियो ब्लूम को प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा।

10. (b)

14 जुलाई 1789 की सुबह, पेरिस नगर मे आतंक का माहौल था। सम्राट लुई XVI ने सेना को शहर में घुसने का आदेश दे दिया था। सैकड़ों लोगों का एक समूह पेरिस नगर के पूर्वी भाग की ओर चल पड़ा और बास्तील किले की जेल को तोड़ डाला जहाँ भारी मात्रा में गोला-बारूद मिलने की संभावना थी। सम्राट की निरंकुश शक्तियों का प्रतीक होने के कारण बास्तील किला लोगों की घृणा का केंद्र था। बास्तील के किले को ढहा दिया गया और उसके अवशेष बाजार में उन लोगों को बेच दिए गए जो इस ध्वंस को बतौर स्मृति-चिह्न संजोना चाहते थे। अतः कथन (I) सही है परंतु कथन (II) गलत है।

11. (a)

राष्ट्रीय वन नीति 1952 ई. में अस्तित्व में आई तथा 1988 में संशोधित किया गया। इस नई वन नीति के अनुसार सरकार

सतत्पोषणीय वन प्रबंध पर बल देगी जिससे एक ओर वन संसाधनों का संरक्षण व विकास किया जाएगा और दूसरी तरफ स्थानीय लोगों की आवश्यकताओं को पूरा किया जायेगा। इस वन नीति के निम्नलिखित उद्देश्य है (1) देश में 33 प्रतिशत भाग पर वन लगाना, जो वर्तमान राष्ट्रीय स्तर से अधिक है (2) पर्यावरण संतुलन बनाए रखना तथा पारिस्थितिक असंतुलित क्षेत्रों में वन लगाना (3) देश की प्राकृतिक धरोहर, जैव विविधता तथा आनुवंशिक पूल का संरक्षण (4) मृदा अपरदन और मरूस्थलीकरण रोकना तथा बाढ़ व सूखा नियंत्रण (5) निम्नीकृत भूमि पर सामाजिक वानिकी एवं वनरोपण द्वारा वन आवरण का विस्तार (6) वनों की उत्पादकता बढ़ाकर वनों पर निर्भर ग्रामीण जनजातियों को इमारती लकड़ी के स्थान पर अन्य वस्तुओं को प्रयोग में लाना (7) पेड़ लगाने को बढ़ावा देने के लिए तथा पेड़ो की कटाई रोकने के लिए जन-आंदोलन चलाना, जिसमें महिलाएँ भी शामिल हो ताकि वनों पर दबाव कम हो।

12. (c)

दिए गए विकल्पों में कावेरी नदी बेसिन भारत के दक्षिणतम भाग में अवस्थित है। कावेरी नदी कनार्टक के कोगाडु जिले में ब्रह्मगिरि पहाड़ियों (1,341 मीटर) से निकलती है। इसकी लम्बाई 800 किलोमीटर है और यह 81,155 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र को अपवाहित करती है। प्रायद्वीप की अन्य नदियों की अपेक्षा कम उतार चढ़ाव के साथ यह नदी वर्ष भर प्रवाहित होती है, क्योंकि इसके ऊपरी जलग्रहण क्षेत्र में उत्तर-पूर्व मानसून (सर्दी) से वर्षा होती हैं इस नदी की द्रोणी का 3 प्रतिशत भाग केरल में, 41 प्रतिशत भाग कर्नाटक में और 56 प्रतिशत भाग तमिलनाडु में पड़ता है। इसकी महत्वपूर्ण सहायक नदियाँ काबीनी, भवानी और अमरावती हैं।

13. (b)

वृहत् हिमालय और लघु हिमालय को 'मेन सेन्ट्रल थ्रस्ट' के द्वारा अलग किया जाता है। जबकि 'शचर जोन या हिन्ज लाइन' ट्रांस हिमालय को वृहत् हिमालय से अलग करता है, तथा 'मेन बाउन्ड्री फाल्ट' मध्य हिमालय को शिवालिक हिमालय से पृथक करती है।

14. (a)

भारत की दक्षिणी सीमा बंगाल की खाड़ी में 6°45' उत्तरी अक्षांश तक निर्धारित है। इसकी मुख्य भूमि का अक्षांशीय विस्तार 8°4' से 37°6' उत्तरी अक्षांश है तथा सम्पूर्ण भारत, द्वीपों सहित 6°45' से 37°6' उत्तरी अक्षांश व तक निर्धारित है देशान्तरीय विस्तार 68°7' से 97°25' पूर्वी देशान्तर के मध्य है। भारत विश्व का सातवाँ सबसे बड़ा देश है।

15. (b)

समुद्र तट पर कोहरा अभिवहन के कारण उत्पन्न होता है। वायु के क्षैतिज संचलन से होने वाला ताप का स्थानांतरण अभिवहन कहलाता है। लम्बवत् संचलन की अपेक्षा वायु का क्षैतिज संचलन सापेक्षिक रूप से अधिक महत्वपूर्ण होता है। पृथ्वी के सम्पर्क में आई वायु गर्म होकर धाराओं के रूप में लम्बवत् उठती है और वायुमंडल में ताप का संचरण करती है। वायुमंडल के लम्बवत् तापन की यह प्रक्रिया संवहन कहलाती है। ऊर्जा के स्थानांतरण का यह प्रकार केवल क्षोभमंडल तक सीमित रहता है।

16. (d)

वायुमंडल की आयनमंडल परत की पहचान ध्रुवीय प्रकाश (औरोरस) है। आयनमंडल मध्यमंडल के ऊपर 80 से 400 किलोमीटर के बीच स्थित होता है। इसमें विद्युत आवेशित कण पाये जाते हैं, जिन्हें आयन कहते हैं तथा इसीलिए इसे आयनमंडल के नाम से जाना जाता है। पृथ्वी के द्वारा भेजी गई रेडियो तरंगें इस संस्तर के द्वारा वापस पृथ्वी पर लौट आती हैं। यहाँ पर ऊँचाई बढ़ने के साथ तापमान में वृद्धि होती है। इस मण्डल में वान अलेन रैडियेशन बेल्ट की स्थिति होती है जिसमें पृथ्वी के मैग्नेटिक फील्ड द्वारा पकड़े गये आवेशित कण पाये जाते हैं। इस मंडल की महत्वपूर्ण विशेषता इसमें औरोरा ऑस्ट्रालिस एवं औरोरा बोरियालिस की होने वाली घटनायें हैं। औरोरा का शब्दिक अर्थ होता है प्रातः काल जबकि बोरियालिस तथा ऑस्ट्रालिस का अर्थ क्रमशः उत्तरी एवं दक्षिणी होता है। इसी कारण उन्हें उत्तरी ध्रुवीय प्रकाश एवं दक्षिणी ध्रुवीय प्रकाश कहा जाता है। वास्तव में औरोरा ब्रह्मण्डीय चमकते प्रकाश होते हैं जिनका निर्माण चुम्बकीय तूफान के कारण सूर्य की सतह से विसर्जित इलेक्ट्रान तरंग के कारण होता है। औरोरा बोरियालिस (उत्तरी ध्रुवीय प्रकाश ज्योति) के दिखाई देने की अत्यधिक संभावना उच्च अक्षांशों में होती है।

17. (b)

महाद्वीपीय जल सीमा तथा गर्त (गम्भीर) समुद्र मैदान के बीच फैले क्षेत्र को महाद्वीपीय ढाल के रूप में जाना जाता है। महाद्वीपीय ढाल महासागरीय बेसिनों और महाद्वीपीय शेल्फ को जोड़ती है। इसकी शुरूआत वहाँ होती है जहाँ महाद्वीप शेल्फ की तली तीव्र ढाल में परिवर्तित हो जाती है। ढाल वाले प्रदेश की प्रवणता 2 से 5 डिग्री के बीच होती है। ढाल वाले प्रदेश की गहराई 200 मीटर एवं 3000 मी. के बीच होती है। इसी प्रदेश में कैनियन (गम्भीर खड्ड) एवं खाइयाँ दिखाई देते है।

18. (a)

चूना पत्थर अवसादी चट्टानें कार्बनिक रूप से बनती हैं। अवसादी (Sedimentary) शब्द की व्युत्पति लैटिन भाषा के शब्द 'सेडिमेन्टम' से हुई है जिसका अर्थ है, व्यवस्थित होना। निर्माण पद्धति के आधार पर अवसादी शैलों का वर्गीकरण तीन प्रमुख समूहों में किया गया है- (i) यांत्रिक रूप से निर्मित जिसमें बालुकाश्म, पिंडशिला, चूना प्रस्तर, शेल, विमृदा आदि हैं। (ii) कार्बनिक रूप से निर्मित जिसके अन्तर्गत गीजराइट, खडिया, चूना पत्थर, कोयला आदि आते हैं। (iii) रासायनिक रूप से निर्मित इसमें शृंग प्रस्तर, चूना पत्थर, हेलाइट, पोटाश आदि हैं।

19. (b)

भूकम्प की लहरों के आधार पर पृथ्वी में निम्न तीन मण्डल बताये जा सकते हैं-

(1) स्थल मण्डल (Lithosphere)- इसकी गहराई 100 किलोमीटर मानी गयी है। इसमें ग्रेनाइट चट्टान की बहुलता है तथा सिलिका एवं एल्यूमिनियम मुख्य रूप से पाये जाते हैं। इसका घनत्व 3.5 है।

(2) पाइरोस्फीयर (Pyrosphere)- इसकी गहराई 100 किलोमीटर से 2880 किमी तक है। इसका निर्माण बेसाल्ट से हुआ, जिनका घनत्व 5.6 है।

(3) गुरुमंडल (Barysphere)- इसकी गहराई 2880 किमी. से नीचे केन्द्र तक है। इस परत का घनत्व 8 से 11 है तथा इसकी रचना लोहा तथा निकल से हुई है।

20. (c)

निश्चित आकृति में व्यवस्थित तारों के समूह को नक्षत्र कहा जाता है। ओरियन एक प्रसिद्ध नक्षत्र है जिसे सर्दियों के दौरान देर शाम को देखा जा सकता है। इस नक्षत्र के लिए एक शब्द हंटर (Hunter) है। प्राचीन यूनानियों ने सोचा कि आकाश में तारों की व्यवस्था एक विशाल शिकारी (Hunter) की भाँति दिखती है। इस आधार पर यूनानियों ने अपनी पौराणिक कथाओं में प्रसिद्ध शिकारी ओरियन के नाम पर इस नक्षत्र का नाम रखा, ओरियन नक्षत्र के लिए हंटर या कालपुरुष शब्द का भी प्रयोग किया जाता है। अतः विकल्प (c) सही है।

21. (a)
संविधान देश का सर्वोच्च कानून है, जिसमें किसी देश की राजनीतिक और समाज को चलाने वाले मौलिक कानून होते है। देश का सर्वोच्च कानून होने की हैसियत से संविधान नागरिकों के अधिकार; सरकार की शक्ति और उसके कामकाज के तौर-तरीकों का निर्धारण करता है।

22. (b)
1983 से 2009 तक श्रीलंका का गृहयुद्ध हुआ। इसके पीछे मंशा देश के उत्तर और पूर्व में तमिल ईलम नामक एक स्वतंत्र राज्य बनाना था। बेलुपिल्लई प्रभाकरन द्वारा शुरू किए गए गृहयुद्ध ने लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम का नेतृत्व किया। गृहयुद्ध का कारण था- श्रीलंका के तमिलों के खिलाफ भेदभाव तथा सिंहली सरकार द्वारा प्रभुत्व।

23. (c)
संविधान सभा की प्रथम बैठक 9 दिसम्बर 1946 को डा. सच्चिदानंद सिन्हा की अध्यक्षता में हुयी, जो अस्थायी अध्यक्ष थे। बाद में संविधान के स्थाई अध्यक्ष डा. राजेन्द्र प्रसाद को चुना गया।

24. (b)
भारत के संविधान को तैयार करने के लिए एक संविधान सभा का गठन किया गया था। जिसकी अध्यक्षता डॉ राजेन्द्र प्रसाद ने की थी। संविधान सभा की पहली बैठक 9 दिसंबर 1946 को हुई, जिसकी अध्यक्षता, अस्थायी अध्यक्ष सच्चिदानन्द सिन्हा ने की।

25. (b)
भारतीय संविधान का अनुच्छेद 108 कुछ दशाओं में दोनों सदनों की संयुक्त बैठक के बारे में बात करता है।
किसी विधेयक पर गतिरोध की स्थिति में संविधान द्वारा संयुक्त बैठक की एक असाधारण व्यवस्था की गई है।
यह निम्नलिखित तीन में से किसी एक परिस्थिति में बुलाई जाती है जब एक सदन द्वारा विधेयक पारित कर दूसरे को भेजा जाता हैः-
1- यदि विधेयक को दूसरे सदन द्वारा अस्वीकृत कर दिया गया।
2- यदि सदन विधेयक में किए गए संशोधनों को मानने से असहमत हो या
3- दूसरे सदन द्वारा बिना विधेयक के पास किए 6 महीने से ज्यादा समय हो जाए।

26.(d)
संघीय व्यवस्था के लक्षण-
■ संविधान की सर्वोच्चता
■ लिखित संविधान
■ संविधान संशोधन की कठोर एवं लचीली प्रक्रिया होगी
■ केन्द्र और राज्यों के बीच शक्तियों का विभाजन
■ स्वतंत्र एवं निष्पक्ष न्यायपालिका

27. (a)
एक संघीय सरकार वह है जिसमें संविधान द्वारा ही राष्ट्रीय सरकार और क्षेत्रीय सरकारों के बीच शक्तियों को विभाजित किया जाता है और दोनों स्वतंत्र रूप से अपने-अपने अधिकार क्षेत्र में काम करते है। एक लिखित संविधान केंद्र और राज्य दोनों सरकारों की संरचना, संगठन, शक्तियों और कार्यों को निर्दिष्ट करता है। उन सीमाओं को निर्धारित करता है जिनके भीतर उन्हें काम करना चाहिए। संघीय व्यवस्था का लक्ष्य है क्षेत्रीय विविधता को समायोजित करते हुए राष्ट्रीय एकता को बनाए रखना।

28. (d)
'फर्स्ट-पास्ट-द-पोस्ट' प्रणाली ऐसी व्यवस्था है जिसमें जिस प्रत्याशी को अन्य सभी प्रत्याशियों से अधिक मत मिलते हैं उसे ही निर्वाचित घोषित किया जाता है। विजयी प्रत्याशी के लिए यह आवश्यक नहीं कि उसे कुल मतों का बहुमत (अर्थात कुल मतों के 50% से अधिक) प्राप्त हुआ हों। यह व्यवस्था यूनाइटेड किंगडम (ब्रिटेन) और भारत में है।

29. (b)
कार्यात्मक प्रतिनिधित्व का मतलब है, कि विभिन्न व्यवसायों या कार्यों से सम्बन्धित लोगों को इसी आधार पर अपने प्रतिनिधियों को चुनने की इजाजत होना। उदाहरण के लिए, जो लोग औद्योगिक क्षेत्र में कार्यरत है, वे औद्योगिक नीति पर अपना मत देंगे, जो कृषि क्षेत्र में कार्यरत लोग है कृषिगत नीतियों पर अपना मत देंगे और अन्य नीतियों पर उनसे राय नहीं ली जाएगी।

30. (d)
पूर्वोत्तर में क्षेत्रीय आकांक्षाएँ 1980 के दशक में एक निर्णायक मोड़ पर आ गई थी क्षेत्र में सात राज्य है और इन्हें सात बहने कहा जाता है। मणिपुर त्रिपुरा और मेघालय 1972 में राज्य बने जबकि मिजोरम और अरुणांचल प्रदेश को 1987 में राज्य का दर्जा दिया गया।
1979 में ऑल असम स्टडेंटस् यूनियन (आसू-AASU) ने विदेशियों के विरोध में एक आंदोलन चलाया 'आसू' एक छात्र संगठन था और इसका जुड़ाव किसी भी राजनीतिक दल से नहीं था। 'आसू' का आंदोलन अवैध आप्रवासी, बंगाली और अन्य लोगों के दबदबे तथा मतदाता सूची में लाखों आप्रवासियों के नाम दर्ज कर लेने के खिलाफ था।
'उत्तर हर दिन बढ़ता जाए, दक्षिण दिन-दिन घटता जाए' द्रविण आंदोलन का एक लोक प्रिय नारा था।
1984 के जून माह से भारत सरकार में ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाया था।

31. (a)
जब हम प्राकृतिक संसाधनों का दोहन करके किसी वस्तु का उत्पादन करते हैं तो यह प्राथमिक क्षेत्र की एक गतिविधि होती है। जैसे-कृषि, खनन, मत्स्यपालन, वानिकी व डेयरी इत्यादि। ऐसा इसलिए है क्योंकि यह हमारे द्वारा बाद में बनाए जाने वाले अन्य सभी उत्पादों के लिए आधार बनाता है। इस प्रकार (A) और (R) दोनों सही हैं और (R), (A) की व्याख्या करता है।

32. (b)
अपने दैनिक जीवन में हम अनेक ऐसे लोगों के संपर्क में आते हैं जिनके बारे में हम सोचते हैं कि वे निर्धन हैं। वे गाँवों के भूमिहीन श्रमिक भी हो सकते हैं और शहरों की भीड़ भरी झुग्गियों में रहने वाले लोग भी वे निर्माण-स्थलों के दैनिक वेतन भोगी श्रमिक भी, हो सकते हैं और ढाबों में काम करने वाले बाल श्रमिक भी।
गरीबी का अंतर किसी देश में गरीबी की तीव्रता को दर्शाता है, जो गरीबी रेखा से कुल जनसंख्या की औसत कमी को दर्शाता है। गरीबी का अंतर विश्व बैंक द्वारा निर्मित एक संकेतक है, जो प्रति व्यक्ति आय और खपत देखकर गरीबी को मापता है।

33. (d)
शहरी क्षेत्र में BPL परिवारों की पहचान करने के लिए हाशिम समिति बनाई गई है। हाशिम समित ने अपनी रिपोर्ट दिसम्बर 2012 में प्रस्तुत किया।

34. (c)
वर्ष 2016-17 के चौथे अग्रिम अनुमानों के अनुसार, भारत में कुल खाद्यान्न उत्पादन 275.7 मिलियन टन था। वही वर्तमान फसल वर्ष 2024-25 के लिए 340.40 मिलियन टन कुल खाद्यान्न उत्पादन का लक्ष्य भारत सरकार ने रखा है।

35. (d)
एक विकासशील देश एक संप्रभु राज्य होता है जिसका औद्योगिक आधार कम विकसित होता है विकासशील देश मानने के चार प्रमुख कारण निम्नलिखित है जन्मदर, मृत्युदर की अपेक्षा अधिक होने के कारण जनसंख्या वृद्धि दर अधिक होती है कृषि अर्थव्यवस्था प्रमुख आधार औद्योगिक विकास का स्तर निम्न होता है।

36. (b)
किसी भी अर्थव्यवस्था में उत्पादन के चार साधन हैं- भूमि-पूँजी, श्रम और संगठन। भूमि को उसके उपयोग के बदले लगान (Rent), पूँजी को ब्याज (Interest), श्रम को मजदूरी (wages) और संगठन को लाभ (Profit) प्राप्त होता है। चूँकि मशीन व अन्य उपकरण पूँजी हैं, इसलिए इनको प्राप्त आय के ब्याज के रूप में जाना जाता है।

37. (d)
भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषता में शामिल कृषि क्षेत्र का योगदान सकल घरेलू उत्पाद में जहाँ कम होता जा रहा है, फिर भी यह कार्यबल के सबसे बड़े हिस्से को संलग्न करता है (आर्थिक सर्वेक्षण 2023-24 के अनुसार कुल कार्यबल का 45%) और खाद्य सुरक्षा में अहम योगदान हैं वही सेवा क्षेत्र अर्थव्यवस्था का चालक है जिसका सकल घरेलू उत्पाद में योगदान वर्ष 2023-24 में 54.7% जो सबसे अधिक है और हजारों कुशल पेशेवरों को रोजगार भी प्रदान करता है। इस प्रकार विकल्प (d) उत्तर होगा।

38. (b)
नीचे दी गई सूची सही सुमेलित है-

सूची-I	सूची-II
A. चार खण्ड मॉडल	(3) महालनोविस
B. संकटकालीन आवश्यक न्यूनतम प्रयास सिद्धान्त	(4) लेबेंस्टीन
C. बड़ा धक्का सिद्धांत	(1) रोजेन्स्टीन रोडॉन
D. असीमित मजदूर आपूर्ति सिद्धांत	(2) आर्थर लेविस

39. (c)
कोलिन क्लार्क ने दिसंबर 1945 के एकोनॉमिक जर्नल में प्रकाशित लेख 'फाइनेन्स एंड वैल्यु ऑफ मनी' में यह सुझाव दिया कि राष्ट्रीय आय के 25 प्रतिशत को करारोपण की सुरक्षित सीमा के रूप में स्वीकार किया जा सकता है और यह सीमा अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक व्यय की क्रांतिक सीमा/सुरक्षित ऊपरी सीमा होगी।

40. (d)
वैश्वीकरण राष्ट्रों के बीच वस्तुओं और सेवाओं के व्यापार को बढ़ावा देता है। यह प्रौद्योगिकी के संचलन को बढ़ावा देता है और इसका अर्थ किसी अर्थव्यवस्था का विश्व अर्थव्यवस्था के साथ एकीकरण करना है। इस प्रकार विकल्प (d) उपर्युक्त में से एक से अधिक, सही है।

PART-B (DESCRIPTIVE QUESTIONS)

1. Ans:
पूर्व औद्योगीकरण उस ऐतिहासिक कालखंड का प्रतिनिधित्व करता है, जो औद्योगिक क्रांति (1760-1830 ई. तक) से पहले का था। यह सामान्यतः 18वीं शताब्दी के मध्य तक (लगभग 1750 ई.) का समय माना जाता है। इंग्लैंड और यूरोप में फैक्ट्रियों की स्थापना से भी पहले ही अंतरराष्ट्रीय बाजार के लिए बड़े पैमाने पर औद्योगिक उत्पादन होने लगा था। यह उत्पादन फैक्ट्रियों में नहीं होता था। इतिहासकार औद्योगीकरण के इस चरण को पूर्व औद्योगीकरण का नाम देते हैं।

पूर्व औद्योगीकरण की प्रमुख विशेषताओं को निम्नलिखित बिंदुओं में वर्गीकृत किया जा सकता है–

1. **हस्तशिल्प और कुटीर उद्योग–**उत्पादन घरेलू स्तर पर होता था, जहाँ परिवार सम्मिलित रूप से कपड़ा, धातु कार्य, चमड़ा से संबंधित सामान का उत्पादन करता था। इस काल में कारखानों की संकल्पना अभी अपने आधुनिक स्वरूप में नहीं आ पाई थी, औजार सरल और हाथ से संचालित थे। जैसे–चरखा, हथकरघा इत्यादि।
2. **सीमित श्रम विभाजन–**पूर्व औद्योगीकरण में उत्पादन प्रक्रिया में श्रम का विभाजन सीमित स्तर पर था, अर्थात् एक ही परिवार या व्यक्ति किसी वस्तु के निर्माण की सभी प्रक्रियाएँ संपन्न करता था, जैसे–कताई, बुनाई, रंगाई आदि।
3. **व्यापारियों की भूमिका–**व्यापारी कच्चा माल ग्रामीण कारीगरों को देते थे और उनसे तैयार माल लेकर बाजार में बेचते थे। इस पूर्व औद्योगीकरण की व्यवस्था में कारीगर बाजार से सीधे नहीं जुड़ पाते थे, बल्कि व्यापारी पर निर्भर रहते थे।
4. **निर्यातोन्मुखी उत्पादन–**इंग्लैंड जैसे देशों में वस्त्र, ऊन और धातु के सामान का उत्पादन केवल घरेलू उपभोग के लिए नहीं, बल्कि निर्यात के लिए भी किया जाने लगा। इससे विदेशी व्यापार का विकास हुआ।
5. **तकनीकी परिवर्तन की शुरुआत–**पूर्व औद्योगीकरण में तकनीकी प्रगति धीमी थी एवं यह नवाचार का प्रारंभिक काल (जैसे–पानी की मीलें या पवन चक्कियाँ सीमित उपयोग में) था।
6. **सामाजिक और आर्थिक संरचना–**इस कालखंड का समाज सामंती या कुलीन वर्ग-प्रधान था, सामाजिक गतिशीलता का अभाव था। मुद्रा प्रणाली का प्रारंभिक काल था। व्यापार में वस्तु विनिमय प्रणाली का प्रचलन था।

इस प्रकार हम कह सकते हैं कि पूर्व औद्योगीकरण की व्यवस्था व्यावसायिक आदान-प्रदान पर आधारित थी। इस पर सौदागरों का नियंत्रण था और वस्तुओं का उत्पादन कारखानों के बजाय घरों में होता था। पूर्व औद्योगीकरण ने औद्योगिक क्रांति के लिए आधार तैयार किया, जैसे–पूँजी संचय, व्यापार विस्तार और वैज्ञानिक खोजें इत्यादि।

2. Ans:
फ्रांसीसी क्रांति (1789-1799 ई.) को अक्सर मध्यवर्गीय क्रांति कहा जाता है, अट्ठारहवीं सदी में एक नए सामाजिक समूह का उदय हुआ, जिसे मध्यवर्ग कहा गया। जिसने फैलते समुद्रपारीय व्यापार और ऊनी तथा रेशमी वस्त्रों के उत्पादन के बल पर संपत्ति अर्जित की थी। क्रांति की शुरुआत और नेतृत्व निश्चित रूप से मध्यवर्ग (बुर्जुआ) के हाथों में था, किंतु इसके विस्तार, चरित्र और परिणाम में किसान, मजदूर, शिल्पकार और निम्न वर्ग की निर्णायक भूमिका थी।

मध्यवर्ग की भूमिका–मध्यवर्ग में व्यापारी, वकील, डॉक्टर, लेखक, दार्शनिक, शिक्षक, बैंकर आदि शामिल थे। ये लोग तीसरे एस्टेट का शिक्षित और संपन्न हिस्से का प्रतिनिधित्व करते थे। 1789 ई. में एस्टेट्स जनरल की बैठक में तीसरे एस्टेट के प्रतिनिधियों (मुख्यतः मध्यवर्ग) में मतदान प्रणाली पर विरोध किया। नेशनल असेंबली (17 जून, 1789 ई.) का गठन मध्यवर्गीय नेताओं (मिराबों, सियेस) ने किया। टेनिस कोर्ट की शपथ का आयोजन भी मध्यवर्गीय नेतृत्व में संपन्न हुआ। मानव और नागरिक अधिकारों की घोषणा में स्वतंत्रता, समानता, संपत्ति का अधिकार जैसे विचार रूसो, वाल्टेयर, माँटेस्क्यू के थे जो मध्यवर्गीय बुद्धिजीवी थे। क्रांति की वैचारिक नींव, संगठन और प्रारंभिक नेतृत्व मध्यवर्ग के पास था।

जनसाधारण की भूमिका—मध्यवर्ग अकेले क्रांति नहीं चला सकता था। निम्न वर्गों की सक्रिय भागीदारी ने इसे जनक्रांति का स्वरूप प्रदान किया। वर्साय मार्च ब्रेड की कमी के विरुद्ध 7000 महिलाएँ राजा को पेरिस लाई। किसान ग्रामीण क्षेत्रों में जमींदारी प्रथा (फ्यूडलिज्म) को उखाड़ फेंकने का प्रयास किया, महल लुटे। 4 अगस्त, 1789 ई. की रात को सामंती अधिकार समाप्त हुए, यह किसानों के दबाव से संभव हो पाया।

शहरी मजदूर (सांस-कुलॉट) बास्तील दुर्ग का पतन मजदूरों के हमले से संभव हो पाया। क्रांति को गति देने में पेरिस की भीड़ और किसानों के विद्रोह का योगदान अपरिहार्य था।

मध्यवर्ग का सीमित दृष्टिकोण—मध्यवर्ग संपत्ति के आधार पर मताधिकार चाहता था। 1791 ई. का संविधान केवल सक्रिय नागरिकों (कर देने वालों) को वोट देने का अधिकार देता था। महिलाओं मजदूर गरीब लोगों को मताधिकार से बाहर रखा गया था जैकोबिन चरण (1793-94 ई.) में राबेस्पियर ने जनता के दबाव में सार्वभौमिक पुरुष मताधिकार दिया, किंतु मध्यवर्ग इसे पसंद नहीं करता था।

थर्मिडोर प्रतिक्रिया के बाद मध्यवर्ग फिर सत्ता में आया और निर्देशिका शासन में संपत्ति आधारित मताधिकार को समाप्त कर दिया। नेपोलियन कोड ने सामंती विशेषाधिकार समाप्त किए, संपत्ति के अधिकार सुरक्षित किए। किसानों को जमींदारी से मुक्ति मिली, किंतु सामूहिक खेती का लगभग प्रचलन समाप्तप्रायः हो गया। क्रांति ने मध्यवर्ग को सत्ता और आर्थिक शक्ति दी किंतु यह जनता की क्रांति थी।

निष्कर्षतः फ्रांसीसी क्रांति अपने स्वरूप में जन क्रांति थी, परंतु इसका नेतृत्व और लाभ मुख्यतः मध्यवर्ग को मिला। मध्यवर्ग ने पुराने सामंती ढाँचे को तोड़ा, राजतंत्र की शक्ति को सीमित किया और आधुनिक पूँजीवादी समाज की नींव रखी। ''फ्रांसीसी क्रांति की आत्मा जनसाधारण थी, लेकिन उसका मस्तिष्क और नेतृत्व मध्यवर्ग था।''

3. Ans:

भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम (1857-1944) एक बहुआयामी संघर्ष था, जिसमें सामाजिक सुधार, राजनीतिक जागरण और जन-आन्दोलन ने प्रमुख भूमिका निभाई। राष्ट्रीय आंदोलन में अलग-अलग पृष्ठभूमि वाली सारी महिलाओं ने हिस्सा लिया युवा और वृद्ध, अकेली और विवाहित, ग्रामीण और शहरी, रूढ़िवादी और उदारवादी, सभी तरह के माहौल से आने वाली महिलाएं आंदोलन में शामिल हुई। स्वतंत्रता संघर्ष, महिला आंदोलन स्वयं उनके लिए भी यह हिस्सेदारी बहुत महत्वपूर्ण थी।

• **शिक्षा प्रसार की भूमिका-** 19वीं शताब्दी में ब्रिटिश शासन के दौरान पाश्चात्य शिक्षा का प्रसार हुआ, जिसने भारतीयों में राष्ट्रीय चेतना जगाई। राजा राममोहन राय, ईश्वरचन्द्र विद्यासागर और ज्योतिबा फूलें जैसे सुधारकों ने शिक्षा को सामाजिक परिवर्तन का आधार बनाया।

शिक्षा ने मध्यमवर्ग को राजनीतिक विचारों (जैसे उदारवाद, राष्ट्रवाद) से परिचित कराया। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (1885) की स्थापना शिक्षित नेताओं (दादा भाई नौरोजी, गोपाल कृष्ण गोखले) द्वारा हुई। बालगंगाधर तिलक और लाल लाजपतराय जैसे नेता शिक्षा के माध्यम से स्वदेशी आंदोलन (1905) को प्रचारित करते थे। शिक्षा ने असहयोग आंदोलन (1920-22) में जन भागीदारी बढ़ाई जहाँ गांधीजी ने राष्ट्रीय शिक्षा की वकालत की। शिक्षा ने बहस, पत्रकारिता और संगठन की क्षमता दी, जिससे संग्राम वैचारिक रूप से मजबूत हुआ।

• **महिला आंदोलन की भूमिका-** 19वीं शताब्दी के सामाजिक सुधार आंदोलनों (सतीप्रथा उन्मूलन, विधवा पुनर्विवाह) ने महिलाओं को सार्वजनिक जीवन में लाया। 20वीं शताब्दी में महिला संगठन जैसे ऑल इंडिया विमेन कान्फ्रेंस (1927) उभरे। महिलाओं ने असहयोग, सविनय अवज्ञा और भारत छोड़ो आंदोलन में सक्रिया भूमिका निभाई। सरोजिनी नायडू, विजयलक्ष्मी पंडित, अरूणा आसफ अली जैसी नेताओं ने कांग्रेस की बैठकों में भाग लिया और जेल गयी।

• **परस्पर सम्बन्ध और समग्र प्रभावः** शिक्षा प्रसार ने महिला आंदोलन को आधार दिया। शिक्षित महिलाएं (जैसे-एनी बेसेण्ट, मैडम कामा) राजनीतिक रूप से सक्रिय हुई। बदले में महिला भागीदारी ने शिक्षा की मांग को बढ़ावा दिया। 1931 की जनगणना में महिला साक्षरता दर कम थी, लेकिन आंदोलनकारी महिलाओं की संख्या हजारों में थी, जो संग्राम की ताकत दर्शाती है।

• **सीमाएं और आलोचनाः**

शिक्षा मुख्यतः शहरी और उच्च वर्ग तक सीमित थी, ग्रामीण महिलाएं कम प्रभावित हुई। महिला भागीदारी प्रतीकात्मक थी कुछ मामलों में और स्वतंत्रता के बाद लैंगिंक समानता बनी रही।

निष्कर्षतः इस प्रकार कहा जा सकता है कि महिला आंदोलन और शिक्षा प्रसार ने स्वतंत्रता संग्राम को वैचारिक गहराई, जन समर्थन और समावेशी चरित्र प्रदान किया। ये न केवल सहायक थे, बल्कि स्वतंत्रता संग्राम की सफलता के आवश्यक घटक थे, जैसा कि गांधीजी ने कहा है- 'महिलाएं आंदोलन की आत्मा है।'' से सिद्ध होता है कि महिलाओं ने स्वतंत्रता संग्राम में बढ़-चढ़ कर भाग लिया था।

4. Ans:

कार्ल मार्क्स और फ्रेडरिक एंजेल्स द्वारा प्रतिपादित मार्क्सवाद 19वीं सदी के सबसे प्रभावशाली राजनीतिक, आर्थिक, सामाजिक सिद्धांतों में से एक है। इसे संक्षेप में वैज्ञानिक समाजवाद भी कहा जाता है क्योंकि यह हेगेल की द्वंद्वात्मक भौतिकवाद पर आधारित है और इतिहास को वर्ग संघर्ष के रूप में देखता है।

मार्क्स के प्रमुख तत्व :

(1) ऐतिहासिक भौतिकवाद : इतिहास की गति उत्पादन साधनों और उत्पादन से तय होती है, न कि विचारों या महापुरूषों से।

(2) वर्ग-संघर्ष : समाज का मूल अंतर्विरोध श्रमिक वर्ग, श्रमिकों और पूंजीपति वर्ग के बीच है। अब तक सारा लिखित इतिहास वर्ग संघर्ष का इतिहास है।

(3) अधिशेष मूल्य : पूंजीपति मजदूर के श्रम से उत्पन्न मूल्य का बड़ा हिस्सा हड़प लेता है, मजदूरी केवल जीवन-निर्वाह के लिए मिलती है।

(4) सर्वहारा क्रांति : पूंजीवादी अपने अंतर्विरोधी (अति - उत्पादन संकट बेरोजगारी) के कारण स्वयं अपनी कब्र खोदता है। सर्वहारा वर्ग तानाशाही स्थापित कर पूंजीवाद को उखाड़ फेंकेगा।

(5) समाजवाद : पहले समाजवादी चरण में राज्य रहेगा (सर्वहारा की तानाशाही) अंततः राज्य वर्ग और धन का विलोप हो जाएगा आवश्यकता के अनुसार का सिद्धांत लागू होगा।

मार्क्सवाद का सकारात्मक योगदान :

श्रमिक वर्ग को अपनी शक्ति का पहली बार वैज्ञानिक विश्लेषण का अनुभव मिला। पूंजीवाद के शोषणकारी चरित्र को बेनकाब किया। विश्व भर में मजदूर आंदोलनों ट्रेड यूनियनों और कल्याणकारी राज्य की नींव रखी। यूरोप के कई श्रम कानून मार्क्सवादी दबाव का परिणाम है। साथ ही उपनिवेशवाद और साम्राज्यवाद के आर्थिक आधार को समझाया तथा लेनिन ने इसे आगे बढ़ाया।

मार्क्सवाद की सीमाएँ :

1. आर्थिक नियतिवादः- मानव इतिहास को केवल आर्थिक कारकों तक सीमित कर देता है, संस्कृति, धर्म, राष्ट्रीयता, मनोविज्ञान आदि को गौण बनाता है।

2. क्रांति की भविष्यवाणी गलत सिद्ध हुईः- विकसित पूंजीवादी देशों (ब्रिटेन, जर्मनी, अमेरिका) में क्रांति नहीं हुई, बल्कि रूस, चीन क्यूबा जैसे पिछड़े कृषि प्रधान देशों में हुई।

3. सर्वहारा तानाशाही का दुरुपयोगः- स्टॉलिन, माओ, पोल पॉट जैसे नेताओं ने इससे क्रूर तानाशाही में बदल दिया जिससे लाखों लोग मारे गए।

4. मानव स्वभाव की अवहेलनाः- मार्क्स मानता था कि नया आर्थिक आधार बनाते ही मानव स्वार्थी हो जायेगा एवं प्रवृत्तियाँ स्वतः गायब हो जायेगी।

5. 20वीं सदी के अंत तक अधिकांश मार्क्सवादी शासन (सोवियत संघ, पूर्वी यूरोप) आर्थिक विफलता, भ्रष्टाचार और जन विरोध के कारण ढह गए।

इस प्रकार कहा जा सकता है, कि मार्क्सवाद एक क्रांतिकारी निदान था, परन्तु उसका प्रस्तावित इलाज (वर्गविहीन समाज) मानवीय कमजोरियों और जटिलताओं के सामने विफल रहा। फिर भी पूंजीवाद के भीतर बढ़ते शोषण और असमानता को समझने समालोचना करने का सबसे तीखा हथियार आज भी मार्क्स के हाथों में ही है। वह गलत सिद्ध हुआ, परन्तु अप्रासंगिक नहीं हुआ।

5. Ans:

किसी स्थान की भू-आकृति, उसकी संरचना, प्रक्रिया और विकास की अवस्था का परिणाम है। भारत में धरातलीय विभिन्नताएँ बहुत महत्वपूर्ण हैं। इसके उत्तर में एक बड़े क्षेत्र में ऊबड़-खाबड़ स्थाकृति है। इसमें हिमालय पर्वत शृंखलाएँ है, जिसमें अनेकों चोटियाँ, सुन्दर घाटियाँ व महाखण्ड हैं। दक्षिण भारत एक स्थिर परन्तु कटा-फटा पठार है जहाँ अपरदित चट्टान खण्ड और कगारों की अधिकता है। इन दोनों के बीच उत्तर भारत का विशाल मैदान है।

मोटे तौर पर भारत को निम्नलिखित छः भू-आकृतिक खण्डों में बाँटा जा सकता है-

(i) उत्तर तथा उत्तरी-पूर्वी पर्वतमाला

(ii) उत्तरी भारत का मैदान

(iii) प्रायद्वीपीय पठार

(iv) भारतीय मरूस्थल

(v) तटीय मैदान

(vi) द्वीप समूह

उत्तर तथा उत्तरी-पूर्वी पर्वतमाला-उत्तर तथा उत्तरी-पूर्वी पर्वतमाला में हिमालय पर्वत और उत्तरी-पूर्वी पहाड़ियाँ शामिल हैं।

हिमालय में कई समानांतर पर्वत शृंखलाएँ हैं। इसमें बृहत हिमालय, पार हिमालय, मध्य हिमालय और शिवालिक प्रमुख श्रेणियाँ हैं।

उत्तरी भारत का मैदान-उत्तरी भारत का मैदान सिन्धु, गंगा और ब्रह्मपुत्र नदियों द्वारा बहाकर लाए गए जलोढ़ निक्षेप से बना है। उत्तर से दक्षिण दिशा में इन मैदानों को तीन भागों में बाँट सकते हैं, भाभर, तराई और जलोढ़ मैदान।

प्रायद्वीपीय पठार-प्रायद्वीप पठार तिकोने आकार वाला कटा-फटा भूखण्ड है। उत्तर पश्चिम में दिल्ली, कटक(अरावली विस्तार), पूर्व में राजमहल पहाड़ियाँ, पश्चिम में गिरी पहाड़ियाँ और दक्षिण में इलायची (कार्डामम) पहाड़ियाँ, प्रायद्वीप पठार की सीमाएँ निर्धारित करती हैं।

भारतीय मरुस्थल-विशाल भारतीय मरुस्थल अरावली पहाड़ियों से उत्तर-पूर्व में स्थित है। यह एक ऊबड़-खाबड़ भूतल है जिस पर बहुत से अनुदैर्ध्य रेतीले टीले और बरखान पाए जाते हैं।

तटीय मैदान-स्थिति और सक्रिय भू-आकृतिक प्रक्रियाओं के आधार पर तटीय मैदानों को दो भागों में बाँटा जा सकता हैः

(i) पश्चिमी तटीय मैदान

(ii) पूर्वी तटीय मैदान।

द्वीप समूह-भारत में दो प्रमुख द्वीप समूह हैं-एक बंगाल की खाड़ी में और दूसरा अरब सागर में। इस प्रकार हम कह सकते हे। कि हमारे देश में हर प्रकार की भू-आकृतियाँ पायी जाती हैं। जैसे-पर्वत, मैदान, मरुस्थल, पठार तथा द्वीप समूह।

6. Ans:

पृथ्वी सदा गतिमान रहती है और इसकी गति दो प्रकार की है– घूर्णन एवं परिक्रमण। इन्हें क्रमशः दैनिक गति तथा वार्षिक गति कहते हैं।

1. घूर्णन– पृथ्वी का अपने अक्ष पर घूमना घूर्णन कहलाता है। भूमध्य रेखा से ध्रुवों की ओर घूर्णन की गति कम होती जाती है, क्योंकि अक्षांशों की लम्बाई में कमी आ जाती है। सबसे अधिक लम्बाई भूमध्य रेखा की है। ध्रुवों पर अक्षांशो की लम्बाई शून्य होती है, जिस कारण से वहां पर घूर्णन गति भी शून्य होती है। इस प्रकार ज्यों-ज्यों हम भूमध्य रेखा से ध्रुवों की ओर जाते हैं, पृथ्वी की घूर्णन गति कम होती जाती है।

घूर्णन का पृथ्वी पर प्रभाव– घूर्णन के कारण पृथ्वी पर अनेक प्रभाव पड़ते हैं जैसे– दिन और रात का बनना, समय की संकल्पना (पृथ्वी के घूर्णन से हमें समय का आभास होता है), पवनों तथा महासागरीय धाराओं का विचलन, पृथ्वी की गोलाभ आकृति, दिशाओं का आधार, खगोलीय पिण्डों का पूर्व–पश्चिम दिशा में घूमते दिखाई देना, ज्वार-भाटा का निश्चित समय अन्तराल, देशान्तर तथा उनका समय के साथ संबंध भूमध्य रेखा तथा ध्रुवों पर भार में अन्तर, पृथ्वी की चुम्बकीय शक्ति तथा स्थानीय समय में अन्तर पर प्रभाव पड़ता है।

2. परिक्रमण– सूर्य के चारों ओर एक स्थिर कक्ष में पृथ्वी की गति को परिक्रमण कहते हैं। पृथ्वी सूर्य के एक परिक्रमा पूरी करने में 365 दिन 5 घण्टें 48 मीनट अथवा लगभग $365\frac{1}{4}$ दिन (365.2422 दिन) का समय लेती है। इस अवधि को एक वर्ष कहा जाता है और पृथ्वी की इस गति को वार्षिक गति के नाम से भी पुकारा जाता है। जिस पथ पर पृथ्वी सूर्य के गिर्द घड़ी की सूईयों की विपरीत दिशा में सूर्य की परिक्रमा करती है उस पथ को पृथ्वी की कक्षा (Earth's orbit) कहते हैं। पृथ्वी की यह कक्षा अण्डाकार (Elliptical) है और सूर्य इस अण्डाकार पथ के एक केन्द्र पर स्थित है।

परिक्रमण का पृथ्वी पर प्रभाव– परिक्रमण के कारण सौर दिवस तथा नक्षत्र दिवस में अन्तर, महत्वपूर्ण अक्षाशों का निर्धारण, ऋतु परिवर्तन तथा दिन की लम्बाई में परिवर्तनशीलता का प्रभाव देखने को मिलता है।

7. Ans:

चक्रवात– सामान्य रूप से चक्रवात निम्न दाब के केन्द्र होते हैं, जिनके चारों तरफ सकेन्द्रीय समवायुदाब रेखाएँ विस्तृत होती हैं तथा केन्द्र से बाहर की ओर वायुदाब बढ़ता जाता है, परिणामस्वरूप परिधि से केन्द्र की ओर हवाएँ चलने लगती है जिनकी दिशा उ. गोलार्द्ध में घड़ी की सुइयों के विपरीत तथा द. गोलार्द्ध में अनुकूल होती है। चक्रवातों का आकार प्रायः गोलाकार, अण्डाकार या V अक्षर के समान होता है।

प्रतिचक्रवात– जैसा कि प्रतिचक्रवात शब्द से विदित होता है कि चक्रवात के विपरीत दशाओं एवं विशेषताओं वाले वायु परिसंचरण

तंत्र को प्रतिचक्रवात कहते हैं। उच्च वायुदाब वाले केन्द्र से बाहर की ओर चारों दिशाओं में चलनें वाले अपसारी वायु परिसंचरण के लिए प्रतिचक्रवात शब्द का प्रयोग सर्वप्रथम गैफन नें 1861 में दिया था।

प्रतिचक्रवात वृत्ताकार समदाब रेखाओं द्वारा घिरा हुआ वायु का एक ऐसा क्रम होता है, जिसके केन्द्र में वायुदाब उच्चतम होता है तथा बाहर की ओर घटता जाता है, जिस कारण हवाएँ केन्द्र से परिधि की ओर चलती है।

उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों का वितरण– उष्ण कटिबंधीय चक्रवात मुख्य रूप से 5°–15° अक्षांशों के मध्य दोनो गोलार्द्धों में सागरो के ऊपर पाये जाते है तथा महाद्वीपों के तटीय भागों में प्रभावित करने के बाद समाप्त हो जाती है। उष्ण कटिबंधीय भागों में कहीं ने उष्ण कटिबंधीय चक्रवातों का कोई न कोई रूप अवश्य देखने को मिलता है परन्तु हरिकेन दक्षिण अंटलाटिक महासागर, दक्षिणी पूर्वी प्रशान्त महासागर तथा भूमध्य रेखा के दोनों ओर 5° अक्षांशों के मध्य बिल्कुल नहीं देखे जाते हैं। उष्ण कटिबंधीय भागों में चक्रवातों के 6 प्रमुख प्रदेश पाये जाते हैं–

1. उत्तरी अटलांटिक महासागर– उत्तरी अटलांटिक महासागर के दक्षिणी तथा द.प. भाग में 30° उत्तरी अक्षांश तक प्रतिवर्ष 7 चक्रवात आते हैं, जिनमें आधे हरिकेन का रूप धारण कर लेते है।

2. उत्तरी प्रशांत महासागर– मैक्सिकों के पश्चिमी तट के सहारे उत्पन्न होकर ये चक्रवात उ.प. दिशा में चलकर कैलिफोर्निया तट को प्रभावित करते हैं तथा कभी-कभी हवाई द्वीप तक भी पहुँच जाते हैं।

3. दक्षिणी-पश्चिमी उत्तरी प्रशांत महासागर– खासकर चीन सागर, फिलीपाइन द्वीप तथा दक्षिणी जापान के पास चक्रवात उत्पन्न होकर मई से दिसम्बर तक उक्त भागों को प्रभावित करते हैं।

4. दक्षिणी प्रशान्त महासागर– आस्ट्रेलिया के पूर्व में 140° प. देशान्तर के पास सोसायटी द्वीप के पूर्व में उत्पन्न होकर ये चक्रवात आस्ट्रेलिया के उत्तरी-पूर्वी तट को प्रभावित करते हैं।

5. उत्तरी हिन्द महासागर– बंगाल की खाड़ी तथा अरब सागर से उत्पन्न होकर ये चक्रवात भारत को बड़े पैमाने पर प्रभावित करते हैं।

6. दक्षिणी हिन्द महासागर– मेडागास्कर, रीयूनियन तथा मारीशस द्वीपों के पास चक्रवात आते हैं।

8. Ans. :

मौसम शब्द किसी विशेष स्थान तथा समय पर मौसम संबंधित तत्वों की वायुमंडलीय दशाओं को निर्दिष्ट करता है। मौसम तत्वों के अन्तर्गत तापमान, वायुदाब, पवन, आर्द्रता तथा मेध मयता आदि को शामिल किया गया है। भारत में नई दिल्ली में स्थित भारतीय मौसम विभाग द्वारा मौसम संबंधी जानकारियों को एकत्रित एवं प्रकाशित किया जाता है। आंकड़े उन तथ्यों की विशेषताओं का वर्णन करते हैं, जो वे प्रदर्शित करते हैं। वे विभिन्न स्त्रोतों से एकत्रित किए जाते हैं। दृश्य विधि जैसे आलेख, आरेख मानचित्र और चार्ट द्वारा आंकड़ों के रूपांतरण को आंकड़ों का प्रदर्शन कहते हैं। मौसम संबंधी आंकड़ों के प्रदर्शन की कुछ प्रमुख विधियाँ निम्नलिखित हैं–

रेखा और दंड आरेखः– रेखा एवं दंड आरेख पृथक बनाए जा सकते हैं तथापि एक-दूसरे की निकट विशेषताओं जैसे- औसत मासिक तापमान और वर्षा से संबंधित आंकड़ों को चित्रित करने के लिए रेखा ग्राफ और दंड आरेख को मिला कर भी खींचा जा सकता है। ऐसा करने के लिए एक अकेला आरेख जिसमें मास X अक्ष पर प्रदर्शित किए जाते हैं। जबकि तापमान और वर्षा Yअक्ष पर आरेख के दोनों तरफ दर्शाए जाते हैं।

क्लाइमोग्राफ (Climograph): किसी स्थान के औसत मासिक आर्द्र-बल्ब तापमान एवं आपेक्षिक आर्द्रता के ऑकड़ों को ग्राफ पेपर पर एक-दूसरे के सामने अंकित करके बनाये गये आलेख को उस स्थान का क्लाइमोग्राफ या क्लाइमोग्राम कहते हैं। बीसवीं शताब्दी के प्रथम चरण में ग्रिफिथ टेलर (Griffith Taylor) नामक प्रसिद्ध भूगोलवेत्ता ने पहली बार ऐसे आलेख बनाये थे तथा उसने उसे क्लाइमोग्राफ नाम से सम्बोधित किया था। टेलर ने क्लाइमोग्राफ के उत्तरी-पूर्वी, दक्षिणी-पूर्वी, दक्षिणी-पश्चिमी व उत्तरी-पश्चिमी कोनों में क्रमशः MUGGY, RAW, KEEN तथा SCORCHING शब्द लिखकर जलवायु की सामान्य दशाओ को प्रकट किया था। इसमें MUGGY का अर्थ उष्ण एवं आर्द्ध जलवायु RAW का अर्थ ठण्डी व आर्द्ध जलवायु, KEEN का अर्थ ठण्डी का शुष्क जलवायु तथा SCORCHING का अर्थ उष्ण व शुष्क जलवायु है।

जलवायु ऑकड़ों के निरूपण में प्रमुख रेखाएंः जलवायु के बहुत से ऑकड़े रेखा प्रतीकों के द्वारा प्रदर्शित किए जाते हैं। उनमें सबसे प्रचलित समदूरिक रेखाएँ हैं। इन समदूरिक रेखाओं को मानचित्रों पर समान रेखाओं के रूप में दर्शाया जाता है। ये रेखाएँ ऐसे स्थानों को मिलाती हैं, जिनके तापमान, वर्षा, वायुदाब, सूर्य प्रकाश, मेघ आदि के औसत मान एक हों। जैसे-

समताप रेखाः समान तापमान वाले स्थानों को मिलाने वाली रेखाएँ

समदाब रेखाः समान वायुदाब वाले स्थानों को मिलाने वाली रेखाएँ

समवर्षा रेखाः दिए गए समय में समान औसत वार्षिक वर्षा वाले स्थानों को मिलाने वाली रेखाएँ

आइसोहल : उन स्थानों को मिलाने वाली रेखाएँ जहाँ प्रतिदिन मध्य सूर्य प्रकाशकी अवधि समान हो।

9. Ans:

सत्ता की साझेदारी से अभिप्राय है शासन और निर्णय लेने की प्रक्रिया में विभिन्न व्यक्तियों, समूहों तथा संस्थाओ के बीच सत्ता का बँटवारा या विभाजन यह लोकतंत्र की एक मूल भावना है जिसमें किसी एक व्यक्ति या संस्था के हाथ में सम्पूर्ण शक्ति नही रहती।

सत्ता की साझेदारी का उद्देश्य सत्ता के दुरूपयोग को रोकना जनतांत्रिक मूल्यो की रक्षा करना और सभी वर्गो को शासन में भागीदारी का अवसर देना है, इसमें विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका के बीच शक्तियों का विभाजन किया जाता है ताकि कोई भी अंग सर्वोच्च न हो इसके साथ ही, केन्द्र और राज्य सरकारो के बीच तथा विभिन्न सामाजिक समूहों, दलों और समुदायो के बीच भी सत्ता का विवरण होता है। सत्ता का बंटवारा लोकतांत्रिक व्यवसायों के लिए ठीक है, इसके पक्ष में एक और बात कही जा सकती है और वह बात कही ज्यादा गहरी है। सत्ता की साझेदारी दरअसल लोकतंत्र की आत्मा है, लोकतंत्र का मतलब ही होता है कि जो लोग इस शासन-व्यवस्था के अंतर्गत है उनके बीच सत्ता को बाँटा जाय और ये लोग इसे ढर्रे से रहे इसलिए वैध सरकार वही है जिसमें अपनी भागीदारी के माध्यम से सभी समूह शासन व्यवस्था से जुड़ते हैं, सत्ता का बँटवारा विभिन्न सामाजिक समूहों, मसलन, भाषायी और धार्मिक समूहों के बीच भी हो सकता है बेल्जियम में 'सामुदायिक सरकार' इस व्यवस्था का एक अच्छा उदाहण है। और सत्ता की साझेदारी सुशासन सामाजिक सद्भाव और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा सुनिश्चित करती है।

10. Ans:

लोकतंत्र एक ऐसी शासन व्यवस्था है जिसमें सत्ता का अंतिम स्त्रोत जनता होती है। इसमें नागरिकों को शासन निर्माण, नीतिनिर्धारण और प्रतिनिधि चुनने का अधिकार प्राप्त होती है। लोकतंत्र का मूल आधार जन-सहमति, समानता और सहभागिता है। इसमें सरकार जनता के प्रति लोकतंत्र केवल चुनाव तक सीमित नहीं है, बल्कि यह आजादी, अधिकारों की सुरक्षा और न्यायपूर्ण व्यवस्था पर आधारित व्यापक राजनीतिक-सामाजिक प्रणाली है।

आधुनिक लोकतंत्र के मूल्य।

आधुनिक लोकतंत्र कई महत्वपूर्ण मूल्यों पर आधारित है-

1. **समानता-** सभी नागरिकों को समान अधिकार और अवसर।
2. **स्वतंत्रता-** अभिव्यक्ति, विचार, धर्म और संगठन की स्वतंत्रता।
3. **कानून का शासन-** सरकार और नागरिक दोनों कानून के अधीन है।
4. **मानवाधिकारों की सुरक्षा-** जीवन, गरिमा और स्वतंत्रता की रक्षा।
5. **बहुलतावाद-** विविध मतों, सांस्कृतिक समूहों और विचारों को स्थान।
6. **जवाबदेही और पारदर्शिता-** शासन का उत्तरदायी और खुला स्वरूप।

इन मूल्यों के समन्वय से लोकतंत्र स्थिर, सहभागी और जनमुखी बनता है।

11. Ans:

संघीय और एकात्मक शासन-प्रणालियाँ सत्ता के वितरण के आधार पर एक-दूसरे से भिन्न होती है। संघीय शासन प्रणाली में सत्ता केन्द्र और राज्यों के बीच संविधान द्वारा विभाजित होती है, और दोनों अपने -अपने क्षेत्र में सर्वोच्च होती है। इसमें संविधान की सर्वोच्चता द्विसदनीय विधानमंडल और स्वतंत्र न्यायपालिका जैसी विशेषताएँ होती है। उदाहरण के लिए, भारत, अमेरिका और कनाडा संघीय शासन वाले देश हैं, जहाँ राज्यों को स्वायत्त अधिकार प्राप्त है।

वहीं, एकात्मक शासन प्रणाली में समस्त शक्तियाँ केन्द्र सरकार में निहित होती हैं। राज्य या स्थानीय इकाइयाँ केन्द्र की अधीन होती हैं और उनके अधिकार केन्द्र द्वारा दिए या वापस लिए जा सकता हैं। उदाहरण के लिए ब्रिटेन और फ्रांस में एकात्मक शासन प्रणाली लागू है।

अतः संघीय प्रणाली शक्ति-संतुलन और विकेन्द्रीकरण को बढ़ावा देती है, जबकि एकात्मक प्रणाली प्रशासनिक एकरूपता और केन्द्रीकृत नियंत्रण पर बल देती है।

12. Ans:

भारत में पंचायती राज संस्थाएँ ग्रामीण लोकतंत्र की जड़े मजबूत करने के लिए बनाई गई तीन-स्तरीय व्यवस्था हैं। ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद् । इनका आधार ग्राम सभा है, जहाँ गाँव के लोग मिलकर अपनी जरूरतें तय करते हैं। संविधान के 73वें संशोधन के बाद पंचायतों को स्थानीय विकास की योजनाएँ बनाने, बुनियादी सुविधाएँ सुधारने, सामाजिक न्याय योजनाओं पर निगरानी रखने और कुछ कर व शुल्क वसूलने जैसे अधिकार दिए गए हैं।

लेकिन जमीनी स्तर पर कई चुनौतियाँ इनके काम को सीमित कर देती है। सबसे बड़ी समस्या है पैसों और संसाधनों की कमी, जिसके कारण विकास कार्य अधूरे रह जाते है। कई पंचायतों में कर्मचारियों तकनीकी विशेषज्ञता और प्रशिक्षण की भी कमी रहती है कई बार स्थानीय राजनीति, दबंगई या सामाजिक असमानताएँ निर्णय प्रक्रिया को प्रभावित करती है। महिलाओं और कमजोर वर्गों की भागीदारी कागजों में तो दिखती है, पर व्यवहारिक रूप से कई बाधाएँ बनी रहती है।

इसलिए पंचायतों को सच में सशक्त बनाने के लिए वित्तीय स्वायत्तता, क्षमता निर्माण, पारदर्शिता और जनता कि वास्तविक भागीदारी को मजबूत करना जरूरी है।

13. Ans.

अर्थिक क्रिया : इन क्रियाकलापों को तीन प्रमुख क्षेत्रकों- प्राथमिक, द्वितीयक और तृतीयक में वर्गीकृत किया गया है। प्राथमिक क्षेत्रक के अन्तर्गत कृषि, वानिकी, पशुपालन, मत्स्यपालन, मुर्गीपालन और खनन एवं उत्खनन शामिल हैं। द्वितीयक क्षेत्रक में विनिर्माण शामिल है। तृतीयक क्षेत्रक में व्यापार, परिवहन, संचार, बैंकिग, बीमा, शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यटन सेवाएँ इत्यादि शामिल किए जाते हैं। इस क्षेत्रक में क्रियाकलाप के फलस्वरूप वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन होता है। ये क्रियाकलाप राष्ट्रीय आय में मूल्यवर्द्धन करते हैं। ये क्रियाएं आर्थिक क्रियाएं कहलाती हैं।

गैर-आर्थिक क्रिया :- गैर अर्थिक क्रिया वे क्रियाएं है जो अर्थिक गतिविधियों से संबंधित नहीं होती है और जिनका उद्देश्य आय अर्जित करना या लाभ कमाना नहीं होता है। ये क्रियाएं व्यक्तिगत, सामाजिक, या पारिवारिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए की जाती हैं। परिवार के सदस्यों की देखभाल करना, जैसे कि बच्चों की देखभाल, बुजुर्गों की देखभाल स्वयं की देखाभाल करना आदि गैर-आर्थिक क्रियाएँ हैं।

14. Ans:

भारत में निर्धनता उन्मूलन की वर्तमान सरकारी रणनीति मुख्य रूप से दोहरे दृष्टिकोण पर आधारित है-

1. आर्थिक संवृद्धि को बढ़ावा देना
2. लक्षित निर्धनता -निरोधी कार्यक्रम चलाना

1. **आर्थिक संवृद्धि को बढ़ावा देना :** सरकार का प्राथमिक उद्देश्य उच्च सकल संवृद्धि दर प्राप्त करना है, ताकि रोजगार के अवसर पैदा हों और निर्धनों के लिए संसाधन उपलब्ध हों।
2. **लक्षित निर्धनता -** निरोधी कार्यक्रमः निर्धनता को सीधे लक्षित करने के लिए योजनाएँ चलाई गई हैं, जिनमें सबसे प्रमुख हैंः
   - **महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (MANREGA)** : यह ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार को 100 दिन का सुनिश्चित रोजगार प्रदान करता है।
   - **अन्य कार्यक्रम** : जैसे स्वर्ण जयंती ग्राम स्वरोजगार योजना (SGSY) और प्रधानमंत्री रोजगार योजना (PMKY), अन्त्योदय अन्न योजना, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना (PMGKAY) चलाई गई।

जो स्वरोजगार को बढ़ावा देने और ऋण सहायता व खाद्यान्न आपूर्ति पर केंद्रित है।

इन प्रयासों का उद्देश्य निर्धनता को कम करने के लिए आय और रोजगार सृजन करना है।

15. Ans:

अलग-अलग लोगों की विकास की धारणाएँ इसलिए अलग होती हैं क्योंकि हर व्यक्ति की आवश्यकताएँ इच्छाएँ, जीवन की परिस्थितियाँ और प्राथमिकताएँ भिन्न होती हैं। उदाहरण के लिए, एक गरीब व्यक्ति के लिए विकास का अर्थ आय में वृद्धि हो सकता है, जबकि किसी किसान के लिए बेहतर सिंचाई सुविधा विकास है। इसी तरह किसी व्यापारी के लिए अधिक लाभ और व्यापार का विस्तार विकास है, और छात्रों के लिए उच्च गुणवत्ता वाली शिक्षा महत्वपूर्ण विकास का संकेत है। इस प्रकार, व्यक्ति की जीवन परिस्थितियाँ उसके विकास की धारणा को गहराई से प्रभावित करती है।

जहाँ (क) कारण '' लोग भिन्न होते है'' सही है, लेकिन (ख) कारण '' लोगों के जीवन की परिस्थितयाँ भिन्न है'' अधिक महत्वपूर्ण माना जाता है। क्योंकि जीवन की वास्तविक परिस्थितियाँ व्यक्ति के विकास के दृष्टिकोण और प्राथमिकताओं को जन्म देती हैं। अर्थिक स्थिति, शिक्षा, सामाजिक महौल आदि जैसी परिस्थितियों अधिक महत्वपूर्ण हैं क्योंकि वे व्यक्ति के विकास पर गहरा प्रभाव डालती है।

संक्षेप में दोनों कारण विकास की धारणाओं में भिन्नता के लिए जिम्मेदार हैं, परंतु लोगों के जीवन की परिस्थितियाँ विकास की व्याख्या में अधिक प्रभावशाली और महत्वपूर्ण होती है।

PRACTICE SET-02

PART-A (OBJECTIVE QUESTIONS)

1. What are the 'Home Charges'?
'होम चार्जेस' क्या है?

(a) Interest paid on India's external debts
भारत के बाह्य ऋण पर दिया जाने वाला ब्याज
(b) Private remittance by the British Officials
ब्रिटिश अधिकारियों का व्यक्तिगत सम्पत्ति-प्रेषण
(c) Pensions of the British Offiials
ब्रिटिश अधिकारियों का पेन्शन
(d) More than one of the above
उपर्युक्त में से एक से अधिक

2. Below are two statements, read them carefully and choose the correct answer with the help of given options.
नीचे दो कथन दिए गए हैं, इन्हें ध्यानपूर्वक पढ़ें और दिए हुए विकल्पों की सहायता से सही उत्तर का चयन करें।

Statement (I): The National social conference as an adjunct body to the National congress was created in 1887.
कथन (I): 1887में राष्ट्रीय काँग्रेस के एक सहायक संगठन से रूप में राष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन की स्थापना की गई।

Statement (II): The reform movement essentially attempted to bring changes in Hindu social organisation and practice from within.
कथन (II): सुधार आन्दोलनों ने मूलतः हिन्दू सामाजिक संगठन और आचार-विचार में अंदर से बदलाव लाने के प्रयास किए।

(a) Both Statement (I) and statement (II) are false /कथन (I) और कथन (II) दोनों गलत हैं।
(b) Statement (I) is true but statement (II) is false/कथन (I) सही है परंतु कथन (II) गलत है।
(c) Statement (I) is false but statement (II) is true/कथन (I) गलत है परंतु कथन (II) सही है।
(d) Both statement (I) and statement (II) are true/कथन (I) और कथन (II) दोनों सही हैं।

3. किस वर्ष में 47वें रेजिमेंट के सिपाहियों ने भारत से बर्मा जाने के लिए मना कर दिया था?

(a) 1844 (b) 1834
(c) 1824 (d) 1814

4. द्वितीय विश्व युद्ध में _______ ने पोलैण्ड को हर संभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन दिया।

(a) यू.एस.ए. तथा रूस (b) ब्रिटेन तथा फ्रांस
(c) रूस तथा ब्रिटेन (d) यू.एस.ए. तथा जापान

5. In which one of the following sessions of the Indian National Congress 'the Resolution on National Unity' was passed?
भारतीय राष्ट्रीय काँग्रेस के निम्नलिखित अधिवेशनों में से किसमें 'राष्ट्रीय एकता' का प्रस्ताव पारित हुआ था?

(a) Lahore, 1929/लाहौर, 1929
(b) Karachi, 1931/कराची, 1931
(c) Taizpur, 1936/तेजपुर, 1936
(d) Ramgarh, 1940/रामगढ़ 1940

6. Which is/are CORRECT about establishment of fascism in Italy?/इटली में फासीवाद की स्थापना के बारे में कौन सा कथन सही है?

(a) By the end of 1992, the king of Italy, Vittorio Emmanuel III faced a growing political crises/1922 के अंत तक, इटली के राजा, विटोरियो इमानुअल III को बढ़ते राजनीतिक संकट का सामना करना पड़ा
(b) No existing party leader seemed to have the support necessary to form a new government/ऐसा लग रहा था किसी मौजूदा पार्टी के नेता के पास नई सरकार बनाने के लिए आवश्यक समर्थन नहीं था
(c) The Fascists increasingly pressured the country to bring Mussolini to power and staged a massive march of citizens from all over Italy/फासिस्टों ने मुसोलिनी को सत्ता में लाने के लिए तेजी से देश पर दबाव डाला और पूरे इटली से नागरिकों के बड़े पैमाने पर मार्च शुरू किया
(d) All of the given options/दिए गए विकल्पों में से सभी

7. The programme of the Nazis where in the properties of the Jews were vndalised and looted, houses of Jews were attacked, synagogues were burnt, and men arrested was referred to as:
नाजियों का कार्यक्रम जिसमें यहूदियों की सम्पत्ति में तोड़फोड़ और लूटपाट की गई, यहूदियों के घर पर हमला किया गया और जला दिया गया एवं गिरफ्तार किये गये लोगों को कहा जाता था-

(a) The art of propaganda/प्रचार की कला
(b) The national socialist programme
राष्ट्रीय समाजवादी कार्यक्रम
(c) The Nuremberg Laws 1935
न्यूरेमबर्ग कानून, 1935
(d) The night of broken glass in November 1938
नवंबर 1938 में टूटे शीशे की रात

8. किसने फासीवाद से प्रभावित होकर प्रथम विश्व युद्ध के बाद इंग्लैण्ड की संसद तथा यहूदियों के विरुद्ध प्रचार किया और 'काली कुर्ती वाले एक दल' का गठन किया?

(a) सैको (b) ओसवाल्ड मोजले
(c) बेजंती (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं